Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 258 | रविवार, 27 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नगालैंड में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत

3000 बोतलें जब्त: 36 सालों से लागू है शराबबंदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोहिमा। नगालैंड में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई है। राज्य में 1990 से शराब पर पाबंदी लागू है। इसके बावजूद पुलिस ने राज्य में 3,000 बोतलें जब्त की हैं।

पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग जिले में 11 लोगों की मौत अवैध शराब पीने से हुई है।

नगालैंड में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत

पुलिस ने मिलावटी शराब की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए एक टीम बनाई है। सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस वेसुप्रा केजो ने शनिवार को बताया कि इन मौतों की जांच करने और मिलावटी शराब के स्रोत और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस आई. बुंगलांग चांग की अगुवाई में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है।

एसएसपी ने कहा, 'मौत की वजह का पता लगाने के लिए सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे गए हैं। हमें कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन अभी जानकारी का खुलासा करना जल्दबाजी होगी।'

शराब की 3,000 बोतलें जब्त

राज्य में जहरीली शराब से लोगों की मौत की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने कई जगहों पर छापामारी की। पुलिस ने शराब की करीब 3,000 बोतलें जब्त की हैं और 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे बिना पहचान, बिना लेबल या संदिग्ध अवैध शराब न पिएं। साथ ही, शराब पीने के बाद चक्कर आना, धुंधला दिखना, सांस लेने में तकलीफ या बेहोशी जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत मेडिकल मदद लेने की अपील की है।

यूपी चुनाव से पहले बढ़ी हलचल: पीएम मोदी से सीएम योगी ने की मुलाकात, बैठक के सियासी मायनों पर टिकी नजरें

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सूबे के सियासत में अभी से गर्मी बढ़ती नजर आ रही है। इस बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा और शीर्ष नेतृत्व से उनकी मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली दौरे पर सीएम योगी आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात करेंगे। सियासी गलियारों में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चचाओं को भी तेज कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बैठक को लेकर कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, मुलाकात के एजेंडे को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा की संभावना

चुनावी तैयारियों पर चर्चा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात में बैठक का उद्देश्य 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की शुरूआती रणनीति तय करने और राज्य में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करने पर केंद्रित हो सकती है। नेतृत्व को लेकर स्थिति: यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने बीते दिनों सूबे के मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा को लेकर एक बयान दिया था। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि सबकी अपनी इच्छाएं होती हैं, लेकिन मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूं और शीर्ष नेतृत्व से जो भी निर्देश मिलेगा, वैसा ही कार्य होगा। हालांकि, सियासी गलियारों में इसी बात की चर्चा है कि आगामी 2027 का विधानसभा चुनाव योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।

एसआईआर विवाद के बीच ईसी की पहली बड़ी बैठक, फॉर्म 6 और नए वोटर्स के रजिस्ट्रेशन पर दिया स्पष्टीकरण

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने शनिवार को नई दिल्ली में निर्वाचन सदन में बैठक की। उन्होंने मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़े सवालों पर एक प्रेस नोट जारी किया। तीनों आयुक्तों की तस्वीर के साथ जारी यह नोट, 'द इंडियन एक्सप्रेस' की 23 सितंबर की उस रिपोर्ट के कुछ दिनों बाद आया है जिसमें कहा गया था कि संधू और जोशी ने रक्फ़से जुड़े कई फैसलों और आदेशों पर आपत्ति जताई थी। इस वजह से चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर बड़े पैमाने पर राजनीतिक और कानूनी विवाद भी खड़ा हो गया था। इस नोट में उन पत्रों का भी ज़िक्र किया गया जो दोनों आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को भेजे थे। रक्फ़प्रोसेस के तहत, एउ ने फॉर्म 6 से जुड़े सवालों को साफ किया, जिसका इस्तेमाल नए वोटरों के रजिस्ट्रेशन के लिए किया जाता है। SIR एक्सरसाइज के दौरान फॉर्म के साथ लगे एक डिक्लेरेशन को लेकर चिंताएँ जताई गई थीं, जिसमें संभावित वोटरों से अपने माता-पिता के नाम के जरिए पिछले रक्फ़ से अपना लिंक साबित करने के लिए कहा गया था। कमीशन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस डिक्लेरेशन को सही ठहराया है। उसने यह भी कहा कि SIR की अवधि के अलावा, 'रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स, 1960' के तहत तय फॉर्म का इस्तेमाल जारी रहेगा।

इंडिया ब्लॉक का बड़ा दांव! 30 सितंबर को दिल्ली में महाबैठक, चुनाव आयोग के खिलाफ बन रही बड़ी रणनीति

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। विरोधी दलों के गठबंधन INDIA ब्लॉक की 30 सितंबर को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक महत्वपूर्ण बैठक होने की संभावना है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नए कदम उठाने जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर यह बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के शामिल होने की पूरी उम्मीद है। यह प्रस्तावित बैठक ऐसे समय में हो रही है जब SIR प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को लेकर चुनाव आयोग के अंदर मतभेदों की खबरें सामने आई हैं और विपक्षी पार्टियों के बीच आयोग को लेकर तालमेल बढ़ा है। सूत्रों ने बताया कि पार्टियां इस मुद्दे पर एक-दूसरे के संपर्क में हैं और मिलकर जवाब देने पर चर्चा कर रही हैं।

विपक्ष ने चुनाव आयोग पर दबाव बढ़ाया

CPI(M), CPI और CPI(ML)-लिबरेशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और SIR प्रक्रिया को तुरंत रोकने की मांग की है। कांग्रेस ने भी कुमार की आलोचना तेज कर दी है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक 29 सितंबर को होनी है, जो INDIA ब्लॉक की प्रस्तावित बैठक से एक दिन पहले होगी। इसमें इस मुद्दे पर पार्टी के रुख पर चर्चा की जाएगी। चुनाव आयोग के मुद्दे ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच भी सहमति का एक अनोखा माहौल बनाया है; ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली TMC और CPI(M) अब इस मामले पर मिलकर काम कर रही हैं। CPI(M) के महासचिव एम.ए. बेबी ने INDIA ब्लॉक और अन्य विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर ताजा घटनाक्रम पर चर्चा के लिए बैठक की मांग की। बाद में उन्होंने बनर्जी से बात की, जिन्होंने सहमति जताई कि स्थिति को देखते हुए मिलकर कदम उठाने की जरूरत है।

CEC ज्ञानेश कुमार को हटाने की नई कोशिश

विपक्षी पार्टियां कुमार को हटाने की मांग करते हुए एक नया नोटिस भी तैयार कर रही हैं। कानूनी विशेषज्ञों की जांच के बाद इस प्रस्तावित नोटिस को संसद के दोनों सदनों के सामने पेश किए जाने की उम्मीद है। अगर इसे पेश किया जाता है, तो यह CEC के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई शुरू करने की विपक्ष की तीसरी कोशिश होगी। विपक्ष की यह नई लामबंदी 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट के बाद शुरू हुई है, जिसमें कहा गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने SIR प्रक्रिया से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कई बार आपत्ति जताई थी। हालांकि, चुनाव आयोग का कहना है कि अलग-अलग राय और टिप्पणियां संस्थागत चचाओं का सामान्य हिस्सा हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि उसके आदेशों को पूरी कानूनी मान्यता प्राप्त है और वे कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार जारी किए जाते हैं।

SIR के मुद्दे पर विपक्षी दल एकजुट

यह पहल तब शुरू हुई जब 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने SIR प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मामलों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश से संयुक्त रूप से संपर्क किया। इस कदम से पहले ही इस मुद्दे पर विपक्षी दलों के बीच व्यापक तालमेल का पता चल गया था। अब 30 सितंबर को प्रस्तावित बैठक से चुनाव आयोग, मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया और अन्य चिंताओं पर चर्चा के लिए एक और मंच मिलने की उम्मीद है।

जीतन राम मांझी ने ओम बिड़ला को लिखा पत्र, एससी-एसटी सांसदों को चर्चा में अधिक समय देने की मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के दौरान अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) समुदायों से संबंधित सांसदों को बोलने का पर्याप्त समय देने के अनुरोध पर कार्रवाई करने की मांग की। अपने पत्र में मांझी ने कहा कि मध्यप्रदेश के खरगोन का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने पांच अगस्त को मांझी के दिल्ली स्थित आवास पर आयोजित ''राजग सांसद समूह संवाद बैठक' के दौरान यह मुद्दा उठाया था। मंत्री ने कहा कि पटेल ने विशेष रूप से अनुरोध किया था कि एससी-एसटी सांसदों को सदन में अपने समुदायों से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाए। मांझी ने लोकसभा अध्यक्ष से पटेल के अनुरोध पर आगे कार्रवाई करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में पटेल ने पुष्टि की कि उन्होंने यह मुद्दा उठाया था और कहा कि एससी-एसटी सांसदों को दिया जाने वाला समय और बढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि किसी राजनीतिक दल को आवंटित समय उसके सांसदों के बीच विभाजित हो जाता है।

महाराष्ट्र सूखा: राज्य के 265 तालुकों में सूखा घोषित, किसानों को बिजली और कर्ज में राहत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को राज्य के 358 तालुकों में से 265 को सूखा प्रभावित घोषित करते हुए राहत उपायों की घोषणा की, जिनमें फसल ऋण नियमों को आसान बनाने, भू-राजस्व में छूट और बिजली बिल में सब्सिडी शामिल है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिला कलेक्टरों को फसल के नुकसान का आकलन तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया है और भरोसा दिलाया है कि सूखे की स्थिति में सरकार की राहत कोशिशों के केंद्र में किसान ही रहेंगे। शुक्रवार देर रात जारी सरकारी आदेश के अनुसार, 32 जिलों में फैले 265 तालुका मे राज्य का 74 प्रतिशत हिस्सा आ गया है।

उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि किसानों को दी जाने वाली वास्तविक आर्थिक सहायता का निर्णय जमीनी स्तर पर आकलन के बाद किया जाएगा। राज्य सरकार ने सूखे की स्थिति घोषित करने और राहत कार्य शुरू करने के लिए अपने 'सूखा प्रबंधन नियम 2016' (2020 में अद्यतन) और 'सूखा प्रबंधन संहिता' के तहत 'ट्रिगर-1' कदम लागू किया है।

'ट्रिगर-1' राज्य के सूखा प्रबंधन ढांचे का पहला चरण है। इसे तब लागू किया जाता है जब बारिश में 25 प्रतिशत से ज्यादा की कमी हो और 21 दिन तक लगातार सूखे (बिना बारिश वाला समय) का दौर रहे। कृषि आयुक्त की एक रिपोर्ट में पाया गया कि जून से बारिश कम होने और अन्य कारणों से 32 जिलों के 265 तालुकों में सूखे जैसे हालात हैं। रिपोर्ट के अनुसार, छत्रपति संभाजीनगर मंडल में सूखे से प्रभावित तालुकाओं की संख्या सबसे ज्यादा (74) है; इसके बाद अमरावती (56), नासिक (49), नागपुर (39), पुणे (35) और ठाणे (12) का स्थान है। छत्रपति संभाजीनगर मंडल में जालना, बीड, लातूर, धाराशिव, नांदेड़, परभणी और हिंगोली जिले शामिल हैं, जबकि बुलढाणा, अमरावती, अकोला, वाशिम और यवतमाल जिले अमरावती मंडल के अंतर्गत आते हैं। नागपुर मंडल में वर्धा, नागपुर, भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर और गढ़चिरौली शामिल हैं। नासिक, धुले, जलगांव, नंदुरबार और अहिल्यानगर जिलों में 49 तालुका और पुणे, सोलापुर, सांगली, सतारा और कोल्हापुर जिलों में 35 तालुका को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने फडणवीस के हवाले से कहा, 'सूखे की स्थिति में हमारे राहत कार्यों के केंद्र में किसान, खेतिहर मजदूर और अन्य कामगार हैं। उन्हें राहत पहुंचाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी।'

सरकार ने जिलाधिकारियों को

होमस्टे में पंखे से लटकी मिली 22 वर्षीय छात्रा, हत्या या आत्महत्या? जांच में उलझी गुवाहाटी पुलिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी स्थित आजारा इलाके के एक होमस्टे में गुवाहाटी यूनिवर्सिटी की 22 वर्षीय छात्रा निमिषा ठाकुरिया संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। घटना के समय छात्रा के साथ मौजूद उसके पुरुष मित्र और बॉयफ्रेंड आसिफ अली को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि आरोपी आसिफ का दावा है कि छात्रा ने आत्महत्या की है, लेकिन पुलिस प्रशासन का कहना है कि वे बिना गहन जांच और फॉरेंसिक सबूतों के इस दावे को स्वीकार नहीं करेंगे। गुवाहाटी के सीनियर पुलिस अधिकारी बोलिन देओरी ने पत्रकारों को बताया कि मामले के मुख्य आरोपी आसिफ अली ने पुलिस को बताया कि निमिषा ठाकुरिया ने छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। देओरी ने कहा, 'उसके (आसिफ के) अनुसार, उसने छत के पंखे से लटककर आत्महत्या की और खुद को नुकसान पहुँचाने से उसकी मौत हो गई।' हालांकि, अधिकारी ने कहा कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आसिफ के बयान की पुष्टि करेगी। 'इंडिया टुडे नॉर्थ ईस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार सुबह गारचुक-धरापुर इलाके में 'रुद्राज किचन' होमस्टे में निमिषा बेहोश हालत में मिली थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'टिकट बरामद न होने पर भी देना होगा मुआवजा': ट्रेन से गिरकर हुई थी शख्स की मौत, सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी मृत यात्री से ट्रेन का टिकट बरामद न होना मुआवजे के दावे को खारिज करने का आधार नहीं बन सकता। शीर्ष अदालत ने 2017 में गुजरात में चलती ट्रेन से गिरकर जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के माता-पिता को दिया गया आठ लाख रुपये का मुआवजा बहाल कर दिया।

न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें महेशभाई की मौत के मामले में उनके माता-पिता को दिए गए मुआवजे को खारिज कर दिया गया था। महेशभाई 27 सितंबर 2017 को अहमदाबाद के रास्ते सूरत जा रहे थे। इसी दौरान अचानक झटका लगने से वह ट्रेन के सामान्य डिब्बे से नीचे गिर गए थे।

आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

शुक्रवार को पीठ ने कहा, 'हाईकोर्ट ने रेलवे टिकट नहीं मिलने को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया। उसने पीड़ित के पिता द्वारा शपथ पर दिए गए बयान और इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया कि पीड़ित एक महीने से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहा था। संभावनाओं की प्रधानता के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पीड़ित एक वास्तविक यात्री था और उसके टिकट की बरामदगी नहीं होने से मुआवजे के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता।'

17 जून 2022 को रेलवे दावा न्यायाधिकरण ने माना था कि महेशभाई एक 'अवांछित घटना' के शिकार हुए थे और दुर्घटनावश ट्रेन से गिरने के कारण उन्हें चोटें आई थीं। न्यायाधिकरण ने उनके माता-पिता को आठ लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था। इस राशि पर घटना की तारीख से आदेश की तारीख तक नौ प्रतिशत सालाना ब्याज भी निर्धारित किया गया था।

शीर्ष अदालत ने किस आधार पर माना मृतक को रेल यात्री?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घटना 27 सितंबर 2017 को हुई थी, जिसमें महेशभाई को गंभीर चोटें आई थीं और इसके बाद उन्हें एक महीने से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। पीठ ने कहा, 'हालांकि, 31 अक्टूबर 2017 को उनकी चोटों के कारण मृत्यु हो गई। सामान्य स्थिति में, जब पीड़ित का इलाज चल रहा था, तो यह काफी असंभावित है कि दावेदारों ने रेलवे टिकट सुरक्षित रखा होगा।'

संपादक की कलम

लालच और विस्तार को कोई अंत नहीं युद्ध समाधान नहीं

ललित शर्मा
संपादक

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है। इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है।
आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है। युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें, क्योंकि अंतत: वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

मानव भूला अपनी पहचान

उदय कशोर साह

कविता

इन्सान भूल गया अपनी ही पहचान
मानव था बन गया जग में शैतान
रब ने बनाया था इसको इन्सान
पर ये बन गया धरती का हैवान

नारी थी पूज्य देवी दुर्गा स्वरूप
सुन्दरी हो या वो हो काली कुरूप
पर पुरूष संग बना दी हत्यारिन
फुफकार करती है बन कर नागिन

माता पिता थे कल हमारे भगवान
मिहनत कर दी थी अपनी हमें नाम
कुपुत्र औलाद ने बना दी गुमनाम
बृद्धाश्रम बन गई बुढ़े बुढ़ी की धाम

सरिता थी पावन गंगा माता समान
पर नदियाँ को बना दी नाला बेईमान
अपवित्र जल बना घर की मेहमान
बीमारी का दे रहा नित्य ही पैगाम

गुरूदेव थे हमारे पिता के समतुल्य
शिक्षक आज भूला दी खुद की मूल्य
तन पे जम गई चरित्रहीनता की धूल
नैतिकता की पतन चुभ रही है शूल

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

कानून मौजूद, न्याय अनुपस्थित: मुकदमों के बोझ तले दबता आम नागरिक

एनके शर्मा
लेखक

किसी भी सभ्य समाज की वास्तविक पहचान उसके कानूनों की विशालता, न्यायालयों की भव्यता अथवा संविधान में अंकित आदर्शों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि एक साधारण नागरिक को अन्याय के विरुद्ध न्याय प्राप्त करने में कितना समय, कितना धन और कितनी मानसिक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। कानून का अस्तित्व तभी सार्थक है, जब न्याय समय पर मिले, निष्पक्ष मिले और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पहुँच में हो। लेकिन जब न्याय की प्रतीक्षा में किसी की जवानी बीत जाए, परिवार की जमा-पूँजी समाप्त हो जाए और पीढ़ियाँ मुकदमे की तारीखें गिनते-गिनते बूढ़ी हो जाएँ, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या कानून की उपस्थिति मात्र को न्याय की उपलब्धता माना जा सकता है?

न्याय में विलंब केवल प्रशासनिक अव्यवस्था नहीं, बल्कि मानवीय जीवन, गरिमा और अधिकारों पर पड़ने वाला गहरा आघात है। जिस व्यवस्था का मूल उद्देश्य नागरिक को अन्याय से मुक्ति दिलाना है, यदि वही व्यवस्था उसे वर्षों तक अनिश्चितता, आर्थिक विवशता और मानसिक प्रताड़ना के अंधकार में छोड़ दे, तो उसके सामने आत्ममंथन की आवश्यकता अपरिहार्य हो जाती है। न्यायालयों में लंबित मुकदमों का बढ़ता हुआ बोझ केवल न्यायिक संस्थानों की समस्या नहीं है; यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता, सामाजिक समानता और नागरिक स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ गंभीर प्रश्न है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में न्याय की अवधारणा संविधान की आत्मा से जुड़ी हुई है। समानता, स्वतंत्रता और न्याय के संवैधानिक आदर्श तभी जीवंत हो सकते हैं, जब नागरिक को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दशकों तक संघर्ष न करना पड़े। लेकिन वास्तविकता यह है कि न्याय की प्रतीक्षा अनेक परिवारों के लिए जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। किसी का भूमि विवाद वर्षों तक अनसुलझा रहता है, किसी की संपत्ति पर अवैध कब्जा बना रहता है, किसी का पारिवारिक विवाद पीढ़ियों तक चलता है और कोई निर्दोष व्यक्ति आरोपों के बोझ तले अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा तथा मानसिक शांति खो देता है। मुकदमा केवल अदालत की फाइल में दर्ज एक संख्या नहीं होता; उसके पीछे किसी मनुष्य का जीवन, किसी परिवार की उम्मीद और किसी भविष्य की अनिश्चितता छिपी होती है। न्याय में देरी का सबसे क्रूर प्रभाव उस आम नागरिक पर पड़ता है, जिसके पास आर्थिक संसाधनों, प्रभावशाली संपर्कों और कानूनी विशेषज्ञों की लंबी टीम का सहारा नहीं होता। एक संपन्न व्यक्ति वर्षों तक मुकदमा लड़ने की आर्थिक क्षमता रख सकता है, लेकिन एक गरीब मजदूर, किसान, छोटा व्यापारी अथवा सीमित आय वाला परिवार अदालत की एक तारीख के लिए भी अपनी रोजी-रोटी से समझौता करने को विवश हो सकता है। वकील की फीस, यात्रा का खर्च, दस्तावेजों का व्यय और कामकाज से होने वाली आय की हानि मिलकर न्याय की राह को अत्यंत महँगा बना देते हैं। इस प्रकार न्याय का अधिकार कागज पर समान होते हुए भी व्यवहार में आर्थिक असमानता से प्रभावित होने लगता है। जब किसी व्यक्ति को अपने ही अधिकार की रक्षा के लिए वर्षों तक संघर्ष करना पड़ता है, तो उसके सामने केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाता है। वृद्ध माता-पिता अपनी संपत्ति के विवाद का निर्णय देखने से पहले संसार से विदा हो जाते हैं। पिता द्वारा शुरू किया गया मुकदमा पुत्र संभालता है और पुत्र के बाद अगली पीढ़ी उसी विवाद की उत्तराधिकारी बन जाती है। यह कैसी विडंबना है कि जिस न्याय से अन्याय का अंत होना चाहिए, वही न्याय की प्रतीक्षा कभी-कभी अन्याय को लंबा जीवन दे देती है। न्यायिक विलंब के पीछे अनेक परस्पर जुड़ी हुई समस्याएँ हैं। न्यायाधीशों के रिक्त पद, अदालतों में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की कमी, मुकदमों की बढ़ती संख्या, जटिल प्रक्रियाएँ, बार-बार स्थगन, जाँच और अभियोजन की कमजोरियाँ तथा सरकारी विभागों द्वारा बड़ी संख्या में मुकदमे दायर करना इस संकट को गहराते हैं। न्यायिक व्यवस्था पर दबाव केवल नागरिकों के आपसी विवादों से नहीं पड़ता, बल्कि सरकार और उसके विभिन्न विभागों के मुकदमे भी लंबित मामलों का बड़ा हिस्सा बनते हैं। जब सरकारी तंत्र स्वयं विवादों को समय पर सुलझाने के बजाय उन्हें न्यायालयों तक पहुँचाता है, तब न्यायिक संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और नागरिकों को मिलने वाला समय और भी सीमित हो जाता है। न्यायालय में तारीख पर तारीख पड़ना केवल एक प्रचलित व्यंग्य नहीं, बल्कि उन लोगों की पीड़ा का प्रतीक है, जिनके जीवन का बहुमूल्य समय सुनवाई की प्रतीक्षा में गुजर जाता है। किसी मुकदमे में गवाह उपलब्ध नहीं होता, कहीं दस्तावेज अधूरे होते हैं, कहीं पक्षकारों की अनुपस्थिति सुनवाई रोक देती है और कहीं कानूनी प्रक्रिया की जटिलता निर्णय को आगे खिसका देती है। प्रत्येक स्थगन का अपना कारण हो सकता है, लेकिन जब ऐसे कारण लगातार दोहराए जाते हैं, तब न्याय की समयबद्धता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में निष्पक्षता और पर्याप्त सुनवाई अनिवार्य हैं, किंतु इनका अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी विवाद का अंत अनिश्चित भविष्य के हवाले कर दिया जाए। आपराधिक न्याय व्यवस्था में विलंब की पीड़ा और भी गहरी है। विचाराधीन कैदियों के लिए स्वतंत्रता की प्रतीक्षा स्वयं एक कठोर दंड बन सकती है। दूसरी ओर, अपराध के पीड़ित और उनके परिवार न्याय की आशा में वर्षों तक मानसिक आघात झेलते हैं। यदि किसी गंभीर अपराध के पीड़ित को समय पर न्याय न मिले, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति विश्वास कमजोर पड़ सकता है। वहीं, यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को लंबी अवधि तक मुकदमे का सामना करना पड़े, तो उसकी प्रतिष्ठा, रोजगार और पारिवारिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की भरपाई केवल बाद में दिए गए निर्णय से नहीं हो सकती। न्याय का उद्देश्य केवल दोषी को दंडित करना नहीं, बल्कि निर्दोष की स्वतंत्रता की रक्षा करना और पीड़ित को न्यायपूर्ण राहत उपलब्ध कराना भी है। न्याय में देरी का एक अन्य गंभीर पहलू यह है कि इसका लाभ कभी-कभी उस पक्ष को मिल सकता है, जिसके पास अधिक आर्थिक शक्ति, संसाधन या विवाद को लंबा खींचने की क्षमता हो। संपत्ति के मामलों में वर्षों तक निर्णय न होने से अवैध कब्जे की स्थिति बनी रह सकती है, जबकि वास्तविक अधिकारधारी अपने ही संसाधनों से वंचित रह जाता है। ऐसे मामलों में समय स्वयं विवाद का एक पक्ष बन जाता है। यदि किसी व्यक्ति को अपने अधिकार की रक्षा के लिए इतनी लंबी प्रतीक्षा करनी पड़े कि निर्णय मिलने तक उस अधिकार का व्यावहारिक महत्व ही समाप्त हो जाए, तो न्याय की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यह संकट केवल भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया के अनेक देशों में न्याय तक पहुँच, मुकदमों की लागत और न्यायिक विलंब गंभीर चुनौतियाँ हैं।

धरती का बदलता चेहरा और आदमी की घटती जगह

प्रो. आरके जैन
लेखक

बाढ़ आती है तो सिर्फ घर नहीं, पूरी जिंदगी बह जाती है। सूखा पड़ता है तो खेतों के साथ उम्मीदें दरकती हैं। गर्मी देह झुलसा दे तो मजदूर के सामने सवाल होता है-रोटी कमाए या जान बचाए? भारत में मौसम अब विस्थापन का कारण बन चुका है। वह घर और रोजगार छीनकर लाखों लोगों को ठिकाना बदलने पर मजबूर कर रहा है। 2024 में आपदाओं ने करीब 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज किए-2012 के बाद सबसे ऊँचा आँकड़ा; करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2025 में यह संख्या 6.72 लाख हुई, पर संकट नहीं थमा; भारत तब भी दुनिया के सर्वाधिक आपदा-विस्थापन वाले देशों में रहा। विडंबना है कि प्रकृति ने जिन्हें बेदखल किया, नीति ने उन्हें अब तक स्पष्ट पहचान नहीं दी।

यही हमारी नीति का बड़ा विरोधाभास है। जलवायु परिवर्तन पर मिशन हैं, आपदा प्रबंधन की संस्थाएँ और राहत-पुनर्वास के प्रावधान हैं-लेकिन 'जलवायु प्रवासी' की स्पष्ट नीति-श्रेणी नहीं। घर छोड़ने वाला आपदा-पीड़ित, शहर जाने वाला आर्थिक प्रवासी और खेत छोड़ने वाला ग्रामीण प्रवासी कहलाता है; पर दर्ज नहीं कि उसे घर से किसने निकाला-बदलता मौसम। सुंदरबन के द्वीप समुद्र और कटाव से सिकुड़ रहे हैं। घोरामाड़ा इसका उदाहरण है, जहाँ जमीन का गायब होना जीवन के आधार खिसकने का संकट है। सवाल शब्द का नहीं, जिम्मेदारी का है। नाम नहीं होगा तो योजना में जगह नहीं, योजना नहीं होगी तो बजट नहीं-और विस्थापित राहत की कतार में रहेगा।

भारत का प्रवास संकट विराट है। विभिन्न अध्ययनों में आंतरिक प्रवासियों की संख्या करीब 40 करोड़ आँकी गई है। इनमें बड़ी संख्या उस अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की है, जो शहरों की इमारतें और सड़कें बनाती, सामान ढोती, घर चलाती और खेतों में फसल उगाती है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार करीब 90 प्रतिशत श्रमबल अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है। मजदूरी पहले ही अस्थिर है; अब मौसम भी। गर्मी बढ़ती है तो काम के घंटे घटते हैं, बीमारी बढ़ती है और आय गिरती है। रोज कमाने वाले मजदूर के लिए दो-चार दिन का काम छूटना महज नुकसान नहीं, चूल्हे पर सीधी चोट है। उसके लिए मौसम की मार आखिरकार रोटी की मार बन जाती है।

गर्मी की असली मार थमार्मीटर में नहीं, मजदूर की जेब में दिखती है। 2026 में अप्रैल-मई के दौरान देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा; बांदा में 47.6 डिग्री और दिल्ली में 43-44 डिग्री तक पहुँचा। निर्माण मजदूर, ईंट-भट्ठे का श्रमिक, रिक्शा चालक और सड़क किनारे विक्रेता-इनके लिए 'वर्क फ्रॉम होम' विकल्प नहीं। धूप में निकलेंगे तभी चूल्हा जलेगा। गर्मी दिन में ही नहीं मारती; गर्म रातें शरीर को तपिश से उबरने नहीं देतीं। अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण एवं विकास संस्थान के 2026 के एक अध्ययन के अनुसार, गर्मी से अनौपचारिक श्रमिक साल में 15-24 दिन काम खो सकते हैं और आर्थिक नुकसान जीडीपी के करीब 2 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। जलवायु संकट गरीब के शरीर और अर्थव्यवस्था, दोनों पर दर्ज हो रहा है।

नीति और हकीकत की खाई दिखती है, फिर भी भरती नहीं। 2025 में इंडियन इंस्टीट्यूट फॉर 'मन सेटलमेंट्स ने राष्ट्रीय, राज्य और शहर स्तर की 94 नीतियों व हस्तक्षेपों की समीक्षा की। पाया कि 73 में से 94 (करीब 78 प्रतिशत) हस्तक्षेप जलवायु के लिहाज से अंधे थे; जलवायु परिवर्तन, आपदा जोखिम और सामाजिक सुरक्षा को जोड़ने वाला अनुकूलनशील ढाँचा कुछ ही पहलों में दिखा। राशन की पोर्टेबिलिटी में प्रगति हुई, लेकिन आवास, स्वास्थ्य, श्रम-सुरक्षा और कल्याण स्थान-आधारित हैं। शहरों को मजदूर चाहिए, परिवार की जिम्मेदारी नहीं। शहर उसकी मेहनत को स्थायी और मौजूदगी को अस्थायी मानता है। कैसी अर्थव्यवस्था है, जिसमें आदमी जरूरी है, मगर उसका अधिकार नहीं?

मणिपुर की कहानी अलग कारण से महत्वपूर्ण है। वहाँ विस्थापन जलवायु नहीं, हिंसा से हुआ; इसलिए इसे जलवायु प्रवास कहना गलत होगा। लेकिन यह दिखाता है कि लंबा विस्थापन नागरिक को कैसे 'अस्थायी' जीवन में स्थायी रूप से फँसा देता है। आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र (आईडीएमसी) के अनुसार 2025 के अंत तक मणिपुर में करीब 78 हजार लोग अब भी आंतरिक विस्थापन में थे, जबकि हिंसा को दो साल से अधिक बीत चुके थे। यही चिंता जलवायु से विस्थापित परिवारों की भी है। गाँव छूटा तो अपने पराए हुए, शहर पहुँचे तो बाहरी ठहरे। महिलाएँ और बच्चे सबसे अधिक भुगतते हैं-पढ़ाई छूटती है, स्वास्थ्य सेवाएँ दूर होती हैं, आवास असुरक्षित होता है और परिवार की सामाजिक जड़ें उखड़ जाती हैं।

आँकड़े कई बार सच बताते नहीं, छिपा देते हैं। जनगणना में देरी और विभागों की अलग परिभाषाएँ प्रवास की तस्वीर धुँधली करती हैं। सरकारी आँकड़ों में प्रवासी सिर्फ 'कहाँ से आया' और 'कहाँ गया' होता है; 'क्यों गया' दर्ज नहीं होता। कारण दर्ज न हो तो जलवायु की भूमिका अदृश्य रहेगी। सूखे से निकला किसान मजदूर, बाढ़ से भागा परिवार विस्थापित और गर्मी में काम खोता श्रमिक सिर्फ गरीब बनकर रह जाएगा। शब्द बदलते ही समस्या और जिम्मेदारी बदल जाती है। प्रवास को विकास का सामान्य लक्षण कहना आधा सच है। बेहतर अवसर के लिए जाना प्रवास है; लेकिन बदलती जलवायु जब जाने को मजबूर करे और लौटने का रास्ता बंद कर दे, तो यह आर्थिक फैसला नहीं, बेदखली है। अब जरूरत दया की नहीं, नीति की है। 'जलवायु प्रवासी' को पहचान मिले; बाढ़, समुद्री क्षरण और सूखे से उजड़े परिवारों का पुनर्वास हो; किसानों को स्थानीय आजीविका मिले; प्रवासी मजदूरों के लिए राशन, स्वास्थ्य, आवास और शिक्षा पोर्टेबल हों; गर्मी में पानी, छाया और विश्राम श्रमिक अधिकार बनें; और जलवायु, आपदा व प्रवास को जोड़कर राष्ट्रीय से नगर स्तर तक नीति बने। प्रकृति ने फैसला सुना दिया है-लोग चल पड़े हैं। अब सरकार को तय करना है कि वह उन्हें सिर्फ 'प्रवासी' मानेगी या उनकी बेदखली की वजह पहचानेगी। घर बहने के बाद बन सकता है; पहचान बह जाए तो आदमी कहाँ लौटे? भारत को अब जलवायु से लड़ने की नहीं, उससे उजड़ते नागरिकों को पहचानने की जरूरत है। क्योंकि विस्थापन दिखे, वजह न दिखे-तो विकास अधूरा है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय और दुरुपयोग की बहस

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारत में सामाजिक न्याय की बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही संवेदनशील भी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध भेदभाव, सामाजिक अपमान और हिंसा की घटनाओं ने स्वतंत्र भारत के सामने लंबे समय से गंभीर चुनौती रखी है। इसी पृष्ठभूमि में एससी/एसटी एक्ट, 1989 अस्तित्व में आया। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बाद यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून ने अपने मूल उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया है और क्या पीड़ितों की सुरक्षा के साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा हो रही है।

1989 में इस कानून को बनाने के पीछे तत्कालीन सरकार ने स्पष्ट कारण बताए थे। विधेयक के उद्देश्य और कारणों में कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक अपमान, हिंसा, भूमि से बेदखली, जबरन मजदूरी तथा अन्य अत्याचारों के प्रति संवेदनशील बने हुए थे। सरकार के अनुसार उस समय उपलब्ध नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा सामान्य दंड कानून इन अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसी कारण एक विशेष कानून की आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि एससी/एसटी एक्ट बिना किसी विशेष कारण अचानक बनाया गया था।

11 सितंबर 1989 को यह अधिनियम पारित हुआ और 30 जनवरी 1990 से लागू हुआ। इसका घोषित उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के विरुद्ध अत्याचारों को रोकना, ऐसे मामलों के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था करना तथा पीड़ितों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराना था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों को कानूनी संरक्षण देना राज्य की जिम्मेदारी है और इस दृष्टि से इस कानून की आवश्यकता को समझा जा सकता है।

हालाँकि, कानून की आवश्यकता और उसके संभावित दुरुपयोग पर बहस दो अलग-अलग प्रश्न हैं। किसी भी कठोर कानून में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वास्तविक पीड़ित को तत्काल संरक्षण मिले, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल आरोप लग जाने के कारण अन्याय का सामना न करना पड़े। एससी/एसटी एक्ट के कुछ प्रावधानों को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका के सामने भी यही प्रश्न आया और गिरफ्तारी तथा प्रारंभिक जाँच की प्रक्रिया पर न्यायिक विचार हुआ। बाद में संसद ने कानून में संबंधित संशोधन भी किए।

इस कानून को लेकर एक आम धारणा यह भी है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से पैसा, मकान या नौकरी देने का प्रावधान है। वास्तव में कानून और उसके नियमों में राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था अत्याचार के पीड़ितों के लिए है। इसे झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के लिए पुरस्कार के रूप में प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। इसलिए इस विषय पर बहस करते समय पीड़ित को मिलने वाली वैधानिक राहत और झूठी शिकायत के संभावित दुरुपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है।

फिर भी यदि किसी कानून का उपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, स्थानीय संघर्ष या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। किसी भी कानून का दुरुपयोग उसकी मूल भावना को कमजोर कर सकता है और समाज में कानून के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, केवल कुछ मामलों में दुरुपयोग की आशंका के आधार पर उन वास्तविक पीड़ितों की समस्याओं को नकारना भी उचित नहीं होगा जिनके लिए कानून बनाया गया है। इसलिए समाधान कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होना चाहिए।

एससी/एसटी एक्ट को लेकर राजनीतिक बहस भी लगातार होती रही है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि यह कानून राजीव गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था। लेकिन उपलब्ध आधिकारिक विधायी दस्तावेजों से यह निष्कर्ष निकालना कि कानून का उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना या जातीय संघर्ष पैदा करना था, प्रमाणित नहीं होता। किसी राजनीतिक दल की मंशा पर निष्कर्ष निकालने के लिए उसके निर्णयों, दस्तावेजों और प्रमाणित ऐतिहासिक साक्ष्यों का अध्ययन आवश्यक है। राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आलोचना और प्रमाणित तथ्य के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

भारत का सामाजिक ढाँचा विविध और जटिल है। जाति आधारित भेदभाव का इतिहास वास्तविक है और उसे नकारकर सामाजिक न्याय की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। लेकिन इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून किसी निर्दोष व्यक्ति के लिए भय का कारण न बने। सामाजिक न्याय का अर्थ किसी एक सामाजिक समूह के विरुद्ध दूसरे समूह को खड़ा करना नहीं हो सकता। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य अपराधी और निर्दोष के बीच स्पष्ट अंतर करना होना चाहिए। आज आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें जाति आधारित अत्याचार के वास्तविक मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई हो, पीड़ितों को समय पर राहत मिले, जाँच निष्पक्ष हो और आरोपी को भी संविधान द्वारा प्राप्त न्यायिक अधिकार मिलें। यदि कोई शिकायत जानबूझकर झूठी और दुर्भावनापूर्ण सिद्ध होती है तो कानून के अनुसार उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। इससे न केवल निर्दोष नागरिकों का विश्वास कायम रहेगा, बल्कि वास्तविक पीड़ितों के लिए बने कानून की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी।

सामाजिक न्याय और सामाजिक सद्भाव एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। भारत को ऐसी न्याय व्यवस्था चाहिए जिसमें कमजोर को सुरक्षा मिले, अपराधी को दंड मिले और निर्दोष को भय से मुक्ति मिले। किसी कानून की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि वह कितना कठोर है, बल्कि इस बात से भी कि वह कितना निष्पक्ष और प्रभावी है। लोकतंत्र में कानून का उद्देश्य समाज को बाँटना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए न्याय और विश्वास को मजबूत करना होना चाहिए। कानून की असली शक्ति उसकी कठोरता में नहीं, उसकी निष्पक्षता में होती है।

सीडीओ ने ली जिला सड़क सुरक्षा की बैठक

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सीडीओ ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से की गई कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अयोध्या मार्ग स्थित छिड़ा बार्डर धरौली के अर्धनिर्मित टोल प्लाजा के संबंध में चर्चा की गई। इस पर निर्णय लिया गया कि जिलाधिकारी की ओर से शासन को पत्र प्रेषित किया जाए, जिससे टोल प्लाजा के निर्माण एवं संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। सीडीओ ने संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि जनपद के प्रमुख हाईवे का सर्वे कराया जाए तथा जहां दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं, ऐसे दुर्घटना संभावित स्थलों का चिन्हांकन कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा को निर्देशित किया गया कि अम्बेडकर चौराहा से मेडिकल कालेज रोड पर अतिक्रमण को हटवाया जाये, इस रोड पर अतिक्रमण न होने पाये जिससे आवागमन बाधित न हो। बैठक में गुड्स सेमेरिटन व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि दुर्घटना होने पर तत्काल फोन के माध्यम से सूचना देने वाले व्यक्ति को भी नियमानुसार गुड्स सेमेरिटन के रूप में प्रोत्साहित किया जाए। ऐसे व्यक्तियों को प्रत्येक माह सम्मानित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आमजन से अपील की कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे आएं और उसे शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने में सहयोग करें। सीडीओ ने तेज रफ्तार, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट तथा ओवरलोडिंग के मामलों में एक माह का विशेष अभियान चलाकर सख्त प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करके ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित अपने सुझाव एवं विचार रखे, जिन पर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में एआरटीओ ए.के. शुक्ला, अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड ओ.पी. चौरसिया, ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

हाफिजपुर थाना पहुंचे एसपी ने सुनी जनता की समस्याएं

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद के थाना समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को पुलिस अधीक्षक ने थाना हाफिजपुर पहुंचकर क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। एसपी के सामने विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें लेकर पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से मामले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का केवल कागजी निस्तारण न किया जाए, बल्कि मौके पर वास्तविक स्थिति की जांच कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को उसकी समस्या के समाधान का भरोसा मिलना चाहिए और किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े।एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता बरतने के साथ ही कार्रवाई की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद समेत अन्य शिकायतों में दोनों पक्षों की बात सुनकर निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई की जाए। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर समस्या का समाधान कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों की नियमित निगरानी की जाए और निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारी तय की जाए। पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों को जनता के साथ संवेदनशीलता और सम्मानजनक व्यवहार करने के लिए भी निर्देशित किया।थाना समाधान दिवस के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने शिकायतों को दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए सौंपा। एसपी ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित और निष्पक्ष समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों से प्राप्त शिकायतों पर समय से कार्रवाई कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैंकों के आसपास बुजुर्गों को निशाना बनाने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना सिम्भावली पुलिस ने धोखाधड़ी की दो घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 8,250 रुपये की नकदी तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त बैंकों के आसपास भोले-भाले एवं बुजुर्ग व्यक्तियों को निशाना बनाता था। वह रुपये गिनने में मदद करने के बहाने उनके साथ धोखाधड़ी करता था और मौका पाकर उनकी नकदी लेकर फरार हो जाता था।थाना सिम्भावली पुलिस ने जांच एवं कार्रवाई के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नकदी और अवैध चाकू बरामद किया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना सिम्भावली प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी एवं पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेवा संकल्प एवं पोषण माह के अन्तर्गत हापुड़ में आयोजित हुआ आंगन का उत्सव

हेल्दी बेबी एवं रेसिपी प्रतियोगिता के साथ 120 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद में आज बाल विकास परियोजना हापुड़ के अन्तर्गत 'सेवा संकल्प एवं पोषण माह' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हेल्दी बेबी प्रतियोगिता, रेसिपी प्रतियोगिता, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति-पत्र वितरण, गोदभराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में माननीय जिला पंचायत अध्यक्षता रेखा नागर, विधायक हापुड़ विजयपाल आढती, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हापुड़, ब्लॉक प्रमुख हापुड़ , मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा लाभार्थियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का उत्साहवर्धन किया गया। हेल्दी बेबी प्रतियोगिता के अन्तर्गत चयनित 08 स्वस्थ बच्चों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं नियमित वृद्धि की निगरानी के प्रति अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाना रहा। इसी क्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 120 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा विभागीय सेवाओं एवं गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए किये जा रहे कार्यों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में आयोजित रेसिपी प्रतियोगिता में स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री से तैयार विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। इसके माध्यम से लाभार्थियों एवं अभिभावकों को संतुलित, विविधतापूर्ण एवं पोषक आहार के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह 2026 में भी आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ताजा गरम भोजन जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया तथा लाभार्थियों को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में लाभार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों को पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास गतिविधियों का प्रभावी केन्द्र बनाने तथा समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी, हापुड़ द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, लाभार्थियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया तथा पोषण एवं बाल विकास से संबंधित गतिविधियों को निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किये जाने का आह्वान किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने हाफिजपुर थाने का किया निरीक्षण, महिला सुरक्षा व्यवस्था की जांच

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना हाफिजपुर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने थाने की महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर, एंटी रोमियो रजिस्टर एवं महिला संबंधी अपराध रजिस्टर का अवलोकन कर अभिलेखों की स्थिति की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने महिला संबंधी शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण, महिला सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा एंटी रोमियो अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाली महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

'साहित्यम' स्मारिका का हुआ लोकार्पण, द्वितीय साहित्यम महापर्व की तैयारियों पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया/हरेन्द्र शर्मा

हापुड़। जनपद में साहित्य समिति की आम बैठक शनिवार को प्रयाग हॉस्पिटल के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के संरक्षक डॉ. अशोक मैत्रेय ने की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के महासचिव महेश वर्मा ने बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की।बैठक का मुख्य आकर्षण साहित्यम महापर्व 2025 की स्मारिका 'साहित्यम' का लोकार्पण रहा। स्मारिका का लोकार्पण समिति के संरक्षक डॉ. अशोक मैत्रेय, मार्गदर्शक डॉ. श्याम कुमार तथा अध्यक्ष इंदु मित्तल सहित उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर संरक्षक डॉ. अशोक मैत्रेय ने अपने संबोधन में साहित्य को समाज और संस्कृति को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए समिति की गतिविधियों एवं साहित्यम महापर्व की सराहना की। मार्गदर्शक डॉ. श्याम कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए साहित्यिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने तथा अधिक से अधिक रचनाकारों को मंच से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।समिति की अध्यक्ष इंदु मित्तल ने अपने वक्तव्य में समिति के आगामी कार्यक्रमों एवं साहित्यम के अगले संस्करण को और व्यापक स्वरूप देने की बात कही। बैठक में साहित्यम महापर्व के द्वितीय संस्करण की प्रस्तावित रूपरेखा, आयोजन की व्यवस्थाओं, अनुमानित बजट एवं संभावित व्यय, आर्थिक सहयोग तथा विभिन्न दायित्वों के निर्धारण पर भी चर्चा की गई। बैठक में डॉ. योगेश कुमार गोयल, राकेश कुमार, पूनम अग्रवाल, संजीव कुमार, विशाल मांगलिक, वरुण मित्तल एवं डॉ. गौरव मित्तल सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में महासचिव महेश वर्मा ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा समिति की आगामी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

टांडा में बिजली लाइन ठीक करते समय करंट लगने से संविदा कर्मी की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। नगर के मोहल्ला भब्बलपुरी में शनिवार सुबह बिजली लाइन दुरुस्त करते समय एक संविदा बिजली कर्मी को करंट लग गया। गंभीर हालत में परिजन उन्हें स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 38 वर्षीय मंसूर उर्फ वली पुत्र मास्टर मतलूब, संविदा बिजली कर्मी के रूप में काम करते थे। करीब सुबह 10 बजे वह अपने घर के पास मियां वाली मस्जिद के निकट बिजली की लाइन ठीक कर रहे थे। तभी अचानक करंट की चपेट में आ गए। परिजन तुरंत उन्हें स्थानीय सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उनकी मौत की पुष्टि की। मंसूर की अचानक मौत से परिवार में मातम छा गया। उनके परिवार में पत्नी शहनाज, तीन बेटे और एक बेटी हैं। सबसे छोटा बेटा मात्र छह माह का है। करीब छह महीने पहले ही उनके बड़े भाई मसरूर की बीमारी से मृत्यु हो चुकी थी। चार बच्चों ने एक साथ पिता को खो दिया। मृतक के भाई ने पुलिस को घटना की तहरीर सौंपी है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। इस घटना पर स्थानीय लोगों ने गहरा दुख जताया। अध्यक्ष प्रतिनिधि हाजी सरफराज आलम, पूर्व पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला आदि ने मंसूर की मौत पर संवेदना व्यक्त की है।

खाद्य विभाग की छापेमारी में 100 किलो चीज नष्ट, चार नमूने जांच के लिए भेजे

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने 26 सितंबर 2026 को जनपद हापुड़ में खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाकर औचक निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्रवाई की।सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्क चन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में गठित सचल दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार सिंह, सहरिश सादात एवं मोहित कुमार शामिल रहे।अभियान के दौरान विशाल डेयरी, ग्राम सदरपुर, गढ़मुक्तेश्वर पर औचक छापेमारी की गई। टीम ने यहां से पनीर, मक्खन और चीज के एक-एक नमूने संग्रहित किए। वहीं, अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित लगभग 100 किलोग्राम चीज, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 30 हजार रुपये बताई गई, को मौके पर नष्ट कराया गया।इसके अलावा टीम ने राजकुमार डेयरी, ग्राम कटीरा जाफराबाद, गढ़मुक्तेश्वर पर भी औचक निरीक्षण किया और वहां से घी का एक नमूना संग्रहित किया।खाद्य विभाग के अनुसार सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

यूपीपीसीएस-2025 मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को दिया साक्षात्कार प्रशिक्षण

निजामपुर स्थित राजकीय आईएएस/पीसीएस कोचिंग केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में सीडीओ श्रुति शर्मा ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। निजामपुर स्थित राजकीय आईएएस/पीसीएस कोचिंग केंद्र में यूपीपीसीएस-2025 की मुख्य परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं के लिए साक्षात्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की प्रक्रिया और वातावरण से परिचित कराते हुए आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति-कौशल, समसामयिक विषयों की समझ और प्रशासनिक दृष्टिकोण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने प्रतिभाग किया और अभ्यर्थियों को साक्षात्कार की तैयारी तथा प्रभावी प्रस्तुतीकरण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि साक्षात्कार के दौरान पूछे गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक समझकर संयम और आत्मविश्वास के साथ उत्तर दें। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को अपने परिचय, शैक्षिक पृष्ठभूमि, रुचियों और अभिरुचियों से जुड़े संभावित प्रश्नों की तैयारी करने के साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समसामयिक घटनाक्रम, उत्तर प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों और प्रशासनिक परिस्थितियों की जानकारी रखने पर जोर दिया गया।

अभ्यर्थियों को यह भी बताया गया कि साक्षात्कार में केवल तथ्यों की जानकारी ही नहीं, बल्कि अपने विचारों को स्पष्ट, संतुलित और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करना भी महत्वपूर्ण है। प्रशासनिक परिस्थितियों से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देते समय व्यावहारिक और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने, साथ ही व्यवहार, हाव-भाव और अभिव्यक्ति पर ध्यान देने के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से अभ्यर्थियों को समसामयिक घटनाओं को साक्षात्कार के संभावित प्रश्नों से जोड़कर तथ्यपरक उत्तर देने तथा दबाव की स्थिति में संयम बनाए रखने की तकनीकों से अवगत कराया गया। संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण से यूपीपीसीएस-2025 मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को आगामी साक्षात्कार की तैयारी के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन मिला। यूपीपीसीएस-2025 के सफल अभ्यर्थियों के लिए प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर मॉक इंटरव्यू और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

नवनिर्मित थाना कोहंडौर का डीएम-एसपी ने किया शुभारंभ

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आमजन को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने नवनिर्मित थाना कोहंडौर का विधिवत उद्घाटन कर थाना परिसर से कार्य संचालन प्रारंभ कराया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) बृजनन्दन राय सहित पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने थाना कार्यालय, जनसुनवाई कक्ष, मालखाना, हवालात, कंप्यूटर कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने थाना पुलिस को निर्देशित किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। थाना आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का नियमानुसार समाधान कराया जाए। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने थाना परिसर में उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने साफ-सफाई, अभिलेखों के व्यवस्थित रख-रखाव तथा आमजन के लिए सुविधाजनक वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। नवनिर्मित थाना कोहंडौर से क्षेत्र में पुलिस सेवाओं की उपलब्धता और जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। थाना स्तर पर आमजन की शिकायतों के निस्तारण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण से जुड़ी कार्रवाई को स्थानीय स्तर पर अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारीगण, थाना प्रभारी कोहंडौर, जनपद के अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

‘नशा मुक्त पंजाब, नशा मुक्त भारत’ के संकल्प के साथ पंजाब पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

वेलकम इंडिया/ओ पी उनियाल

देहरादून। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ‘नशा मुक्त पंजाब, नशा मुक्त भारत’ के संकल्प के साथ पंजाब पहुंचे। होशियारपुर के मुकेरियां में विशाल रोड शो में शामिल होकर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पंजाब की जनता, विशेषकर युवाओं से नशे के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। मुकेरियां (दसूहा) में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नशा मुक्त पंजाब यात्रा भारतीय जनता पार्टी की पंजाब को नशे के अभिशाप से मुक्त कराने के लिए एक निर्णायक पहल है। आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले पंजाब की जनता से नशे के खिलाफ बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता मिलते ही उन वादों से मुकर गई। आज पंजाब में नशे का बढ़ता कारोबार और उसकी गिरफ्त में जाती युवा पीढ़ी इस सरकार की नाकामी और वादा खिलाफी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में नशे के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार नशे के बढ़ते कारोबार को मौन समर्थन दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रभावित करता है। युवाओं की ऊर्जा नशे में नहीं, राष्ट्र निर्माण में लगे, इसी संकल्प के साथ नशा मुक्त पंजाब से नशा मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ना है। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोम प्रकाश, विधायक जंगी लाल महाजन, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव मिन्हास समेत अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दुधारा से जातेडीहा सम्पर्क मार्ग पूरी तरह बदहाल, जिम्मेदार हैं बेखबर

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावा के जातेडीहा, दुबौलिया, भरवलिया बूधन को थाना मुख्यालय से जोड़ने वाले दुधारा से जातेडीहा संपर्क मार्ग बदहाली का शिकार है। मरम्मत व देखरेख के अभाव में सड़क पर गहरे गहरे गड्ढे बन गये हैं जिनका कोई पुरसानेहाल नहीं है। जानकारी व मांग के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं।

सेमरियावा ब्लाक के जातेडीहा, दुबौलिया, भरवलिया बूधन को थाना मुख्यालय से जोड़ने वाले दुधारा से जातेडीहा संपर्क मार्ग (सवा किमी) बदहाली का शिकार है। मरम्मत व देखरेख के अभाव में गिट्टियां उखड़ने से बन आये गड्ढे राहगीरों सहित व क्षेत्रीय लोगों की परेशानी का कारण बने हुए हैं जिसके चलते आये दिन लोग चोटहिल होते रहते हैं। सरकार की गड्ढा मुक्त योजना भी सड़क की हालत नहीं बदल सकी। ग्रामीण नसीमुद्दीन ग्राम प्रधान, कारी महबूब आलम नदवी, अब्दुल मोतल्लिब, नजीर अहमद, छाबर चौरसिया, राम नयन चौरसिया, रामचेल यादव, राम लछन, उमेश कुमार, अब्दुल हमीद, हाफिज तौफीक अहमद, राम पारस, भागमन, मोहम्मद आमिर, मुजीबुद्दीन आदि ने प्रशासन से सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने की गुहार लगाये हैं।

राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने किया डिजीटल लाइब्रेरी का भव्य लोकार्पण

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। जनपद के गांव जिखन में राजसभा सांसद तेजवीर सिंह ने महत्वपूर्ण सौगात देते हुए ग्रामीणों और छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य को लेकर नव निर्मित डिजीटल लाइब्रेरी और पंचायत भवन का भव्य लोकार्पण किया। वहीं क्षेत्रिय युवाओं, छात्र छात्राओं और आधुनिक शिक्षा, कम्प्यूटर ज्ञान और पठन पाठन के बेहतरीन संसाधन अब एक ही छत के नीचे शुलभ हो सकेंगे। वहीं राज सभा सांसद तेजवीर सिंह द्वारा जखन गांव के साथ साथ आस-पास के क्षेत्रिय युवाओं और छात्र छात्राओं के भविष्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किए गए डिजीटल लाइब्रेरी के उद्घाटन से ग्रामीणों ने खुशी जताई है। इस दौरान डिजीटल लाइब्रेरी और पंचायत भवन के भव्य लोकार्पण कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासनिक स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी हरेंद्र सिंह, एडीओ पंचायत प्रभारी विशन सिंह, पंचायत सहायक मती पूनम तरकर, ब्लाक कोर्डिनेटर योगेन्द्र सिंह के अलावा गांव जखन के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बिजेंद्र सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एआईएमआईएम में संगठनात्मक बदलाव, जिला महासचिव आमिर कादरी पदमुक्त

जिलाध्यक्ष सेराज खान ने जारी किया आदेश; संगठन विरोधी गतिविधियों और निर्धारित कार्यक्रमों से दूरी का हवाला

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की संतकबीरनगर जिला इकाई में संगठनात्मक स्तर पर बदलाव किया गया है। जिला अध्यक्ष सेराज खान ने जिला महासचिव आमिर कादरी को उनके पद से तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है। इस संबंध में 25 सितंबर 2026 को जिला अध्यक्ष की ओर से आदेश जारी किए जाने की बात सामने आई है। जारी आदेश में आमिर कादरी को पदमुक्त करने के पीछे संगठनात्मक अनुशासन से जुड़े कारणों का उल्लेख किया गया है। आदेश के अनुसार, आमिर कादरी पर आरोप लगाया गया है कि वह लगातार भारतीय जनता पार्टी से जुड़े नेताओं के साथ धरना और विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो रहे थे। इसके साथ ही संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रमों तथा निर्धारित संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी लगातार अनुपस्थिति का भी हवाला दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि इस प्रकार की गतिविधियां संगठन की नीतियों, कार्यक्रमों और अनुशासन के अनुरूप नहीं हैं। जिला अध्यक्ष की ओर से जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि इस आचरण से संगठन की कार्यप्रणाली और छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। जिला अध्यक्ष सेराज खान ने संगठनात्मक अनुशासन और पार्टी हित का हवाला देते हुए आमिर कादरी को एआईएमआईएम संतकबीरनगर के जिला महासचिव पद से तत्काल प्रभाव से पदमुक्त किए जाने की घोषणा की है। आदेश में पदमुक्ति के बाद यह भी स्पष्ट किया गया है कि संबंधित पद से जुड़े किसी भी प्रकार के अधिकार और दायित्व अब आमिर कादरी के पास नहीं रहेंगे। इस संगठनात्मक कार्रवाई के बाद संतकबीरनगर जिला इकाई में जिला महासचिव पद की जिम्मेदारी को लेकर आगे संगठन की ओर से क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर नजर रहेगी। गौरतलब है कि एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर सक्रिय है। हाल के दिनों में पार्टी की प्रदेश में गतिविधियों से संबंधित कई राजनीतिक कार्यक्रम और बयान सामने आए हैं। हालांकि, पदमुक्त किए गए आमिर कादरी की ओर से इस आदेश या लगाए गए आरोपों पर कोई अलग प्रतिक्रिया इस खबर के लिए उपलब्ध नहीं है। इसलिए आदेश में दर्ज आरोपों को संगठन की ओर से लगाए गए आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

मोबाइल कॉल से हटेगा आत्महत्या के रहस्य का पर्दा

वृंदावन। साधक दीपक लोधी के आत्मघाती कदम की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस मोबाइल में मौत का कारण तलाशने में जुट गई है। आश्रम की चौथी मंजिल से छलांग लगाने वाले साधक की मौत और प्राइवेट पार्ट काटने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल के जरिये उस शख्स तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, जिससे आखिरी बार बात हुई थी। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि साधक की मौत के बाद पुलिस की जांच कई बिंदुओं पर होगी। पुलिस फिलहाल आश्रम और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस की टीम आश्रम में रहने वाले साधकों से जानकारी करेगी। मृत साधक के परिजन को सूचना दे दी गई है। उनके आने का इंतजार किया जा रहा है। उनसे भी कई जानकारी हासिल की जाएगी। पुलिस को कमरे में साधक का कटा हुआ प्राइवेट पार्ट और एक ग्राइंडर मिला है।

बीएसए से मिला एआरपी संगठन जनपदीय प्रतिनिधि मंडल

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। एआरपी संगठन जनपदीय प्रतिनिधि मंडल बीएसए महोदया से मिला इस दौरान महोदया एक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गयीं। जनपदीय एआरपी संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदया श्री मती रतन कीर्ति से मिलकर उनके योगीराज भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में रहकर एक पूर्ण किए जाने पर बारम्बार हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए एआरपी संगठन की अनेकानेक जनसमस्याओं से भी अवगत कराया। एआरपी प्रतिनिधि मंडल में संरक्षक तेजपाल सिंह, जिला अध्यक्ष डोरीलाल शर्मा, उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, संगठन मंत्री राजीव शर्मा, मंत्री देवकुमार आदि उपस्थित थे।

सड़क पर गिरा शीशम का पेड़, बाइक सवार की दबकर मौत

गैस सिलेंडर लेकर घर लौट रहे थे गनीराम; मौके पर पहुंचे दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुमार

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के करही गांव के बाहर शनिवार सुबह उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब सड़क पर अचानक शीशम का पेड़ गिरने से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति उसकी चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, बास्फोर खुर्द, थाना रुधौली, जनपद बस्ती निवासी गनीराम पुत्र सुखदेव (करीब 45 वर्ष) अपने गांव से मोटरसाइकिल से रसोई गैस लेने करही आए थे। गैस लेकर वापस घर लौटते समय करही गांव के बाहर दानुकुइया होते हुए रुधौली जाने वाली सड़क पर अचानक शीशम का पेड़ उनकी मोटरसाइकिल पर गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गनीराम को सीएचसी सेमरियावां भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि गनीराम वर्तमान में सफाई कर्मी के पद पर कार्यरत थे और उनकी तैनाती साउघाट ब्लॉक, जनपद बस्ती में थी। हादसे की सूचना पर दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुमार भी मौके पर पहुंचे और विधिक कार्रवाई में जुट गए। वहीं, सड़क पर गिरे पेड़ को हटवाकर आवागमन बहाल कराने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार मौके पर शांति एवं कानून-व्यवस्था सामान्य है।

कार पार्क करते ही भरभराकर गिरा नीम का पेड़, परिवार सुरक्षित

छपिया छितौना में टला बड़ा हादसा

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां क्षेत्र के छपिया छितौना गांव में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब घर के सामने कार खड़ी करते ही एक विशाल नीम का पेड़ अचानक भरभराकर वाहन के ऊपर गिर पड़ा। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि परिवार के सभी लोग सुरक्षित बच गए।

बताया गया कि छपिया छितौना निवासी फिरोज अख्तर बस्ती से अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ घर लौटे थे। घर पहुंचकर उन्होंने जैसे ही कार पार्क की और परिवार के साथ घर में प्रवेश करने लगे, तभी अचानक पेड़ कार पर जा गिरा। पेड़ गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। गनीमत रही कि हादसे के समय परिवार वाहन से बाहर निकल चुका था। इससे किसी के चोटिल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, कार को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लगातार तेज हवा और बारिश के बीच पेड़ गिरने की घटना से क्षेत्र के लोगों में चिंता भी बढ़ गई है।

मगहर कताई मिल को टेक्सटाइल पार्क बनाने की तैयारी तेज, डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी अनुज मलिक ने मगहर स्थित कताई मिल का स्थलीय निरीक्षण किया। सरकार की योजना के तहत कताई मिल को टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क के रूप में विकसित किया जाना है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रस्तावित परियोजना के लिए उपलब्ध भूमि और आसपास की जमीन की स्थिति का जायजा लिया। वर्तमान में टेक्सटाइल पार्क के लिए 38 एकड़ भूमि उपलब्ध है, जबकि अतिरिक्त 18 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदयराम तिवारी सहित संबंधित अधिकारियों को मिल के आसपास की जमीन की स्थिति और परियोजना के लिए उसकी उपयुक्तता की जांच कर आवश्यक आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता को देखते हुए स्थानीय किसानों से भी बातचीत की और प्रस्तावित परियोजना को लेकर उनका फीडबैक जाना। उन्होंने अधिकारियों को भूमि संबंधी मामलों में आवश्यक कार्रवाई नियमानुसार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं और संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्यप्रकाश, उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार वर्मा, वस्त्र निरीक्षक, उद्यमी मित्र सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुसलमान हालात से घबराने के बजाय अल्लाह से अपना रिश्ता मजबूत करें: मौलाना हलीमुल्लाह कासमी

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। जमीयत उलेमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष एवं संतकबीरनगर जिले के निवासी मौलाना हलीमुल्लाह कासमी ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में मुसलमानों को घबराहट और निराशा के बजाय अल्लाह की ओर रुख करना चाहिए, क्योंकि वही हालात को बदलने वाला, नए रास्ते और साधन पैदा करने वाला तथा सबसे बड़ी ताकत रखने वाला है। उन्होंने कहा कि मुसलमान ईमान, एकता, शिक्षा और सेवा-भाव के माध्यम से समाज में सकारात्मक भूमिका निभाएं और मुश्किल परिस्थितियों का सामना धैर्य, हिम्मत और समझदारी के साथ करें। प्रतिनिधि से बातचीत में मौलाना हलीमुल्लाह कासमी ने जमीयत उलेमा महाराष्ट्र की संगठनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि महासचिव की जिम्मेदारी संभालने के दौरान उन्होंने जमीयत की संगठनात्मक व्यवस्था को महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों, तहसीलों और कस्बों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किया। उनका उद्देश्य था कि जमीयत की गतिविधियां केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक भी संगठन की सामाजिक एवं कल्याणकारी सेवाएं पहुंचें।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद जमीयत की ओर से पहले से चल रहे कल्याणकारी कार्यों को और व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। निर्दोष लोगों के मुकदमों की कानूनी पैरवी, उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जरूरतमंद छात्रों को आर्थिक सहायता तथा गरीब और जरूरतमंद मरीजों के इलाज में सहयोग जैसे कार्य जमीयत की निर्धारित व्यवस्था के अनुसार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी और शैक्षिक सहायता का उद्देश्य केवल तत्काल मदद उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों को अपने पैरों पर खड़े होने में सहयोग देना भी है।

मौलाना हलीमुल्लाह कासमी ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और संकट की घड़ी में भी जमीयत उलेमा महाराष्ट्र ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई है। बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास के लिए करोड़ों रुपये की सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि संकट के समय मानवता की सेवा सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और जमीयत ने जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किया है। उन्होंने मुसलमानों में धार्मिक शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षा के विस्तार को भी समय की महत्वपूर्ण जरूरत बताया। मौलाना ने कहा कि जमीयत उलेमा लंबे समय से मकतब और मदरसों की स्थापना के साथ स्कूलों और कॉलेजों के माध्यम से आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देती रही है। अब इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए महाराष्ट्र के सोलापुर में आधुनिक शिक्षा के लिए संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके जरिए नई पीढ़ी को बदलते समय की आवश्यकताओं और चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा सकता है। मौलाना हलीमुल्लाह कासमी ने कहा कि मुसलमानों को अपने बच्चों की शिक्षा के मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। धार्मिक जागरूकता के साथ आधुनिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी समाज की मजबूती केवल आर्थिक संसाधनों से नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र, एकता और सामूहिक चेतना से होती है। मौजूदा परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मुसलमानों को कठिन हालात से भयभीत होकर निराश होने की जरूरत नहीं है। मुश्किल समय इंसान के धैर्य, विश्वास और हौसले की परीक्षा भी होता है। मुसलमानों को चाहिए कि वे अल्लाह से अपना संबंध मजबूत करें, नमाज, दुआ और नेक अमल के साथ जायज साधनों को अपनाएं और अपनी सामाजिक एवं सामूहिक जिम्मेदारियों को समझें। उन्होंने कहा कि अल्लाह ही साधन और रास्ते पैदा करने वाला तथा सभी शक्तियों से बढ़कर शक्ति रखने वाला है। इसलिए परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, निराशा के बजाय अल्लाह पर भरोसा, सही रणनीति और निरंतर प्रयास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कोतवाली खलीलाबाद पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर सुनी समस्याएं

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने के लिए सम्बन्धित को निर्देश दिया गया। थाना समाधान दिवस की शिकायतों को सुनते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि थाना समाधान दिवस में आये लोगों की शिकायतों को गम्भीरता से सुना जाए तथा स्थलीय निरीक्षण करके समस्या का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। थाना समाधान दिवस पर अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए तथा जिन प्रार्थना पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है उन पर रिपोर्ट लगाकर सम्बंधित अधिकारी को प्रेषित करें जिससे समय से उचित निस्तारण कराया जा सके। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

शारदा का जलस्तर बढ़ने की संभावना

गांवों में पहुंची प्रशासन की टीमें, 3.40 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना से बढ़ी सतर्कता

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। शारदा नदी में शनिवार को करीब 3.40 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना को देखते हुए पूरनपुर तहसील प्रशासन अलर्ट हो गया है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने शारदा नदी, ट्रांस-शारदा क्षेत्र और जलभराव की आशंका वाले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। संभावित जलवृद्धि को देखते हुए नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचकर मौके की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों से समन्वय स्थापित किया। प्रशासन की टीमें नदी के जलस्तर में संभावित बढ़ोतरी के साथ ही निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। तहसील प्रशासन के मुताबिक, पूरे दिन संवेदनशील क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर संभावित प्रभावित गांवों और आबादी का आकलन किया। इसके साथ ही मकानों, रास्तों, भूमि और सार्वजनिक व निजी संपत्तियों पर संभावित प्रभाव की भी जानकारी जुटाई गई। प्रशासन ने कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि जलभराव, मकान क्षति, भूमि कटान या किसी अन्य आपदा की स्थिति सामने आने पर तत्काल सूचना उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते राहत और बचाव कार्य शुरू कराया जा सके। संभावित प्रभावित क्षेत्रों में सार्वजनिक उद्घोषणा और स्थानीय संचार माध्यमों से ग्रामीणों को भी सतर्क किया जा रहा है।

प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से न जाएं। बच्चों और पशुओं को नदी या तेज जलधारा के नजदीक न जाने दें। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संबंधित कर्मचारियों को सतर्क रखा गया है।

लगातार बारिश से शेरपुर कलां में बिगड़े हालात

इस्लामनगर में कई घरों में घुसा पानी, जर्जर दीवार बनी खतरा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। लगातार हो रही बारिश से ग्राम शेरपुर कलां के मोहल्ला इस्लामनगर में लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बारिश का पानी कई घरों के अंदर तक पहुंचने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। जलभराव के कारण लोगों को घरों में रहने और रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं एक मकान की पिछली दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर गिरने की कगार पर पहुंच गई है। इससे परिवार के लोगों में अनहोनी की आशंका बनी हुई है।मोहल्ला इस्लामनगर निवासी खुशनुद पुत्र स्वर्गीय रईस उद्दीन खान के मकान की पीछे की पूरी दीवार लगातार बारिश के चलते बुरी तरह फट गई है। दीवार में जगह-जगह दरारें पड़ने से उसके कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है। परिवार के लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो गई है। यदि दीवार गिरती है तो जान-माल का नुकसान होने की आशंका से परिवार सहमा हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण जलनिकासी की समस्या भी बढ़ गई है। कई स्थानों पर पानी जमा होने से लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी हो रही है। निचले हिस्सों में रहने वाले परिवारों को विशेष रूप से चिंता बनी हुई है। घरों में पानी पहुंचने से घरेलू सामान और जरूरी वस्तुओं के खराब होने का भी खतरा है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित मोहल्ले में तत्काल टीम भेजकर मौके का निरीक्षण कराया जाए। विशेष रूप से क्षतिग्रस्त मकान की दीवार की स्थिति की जांच कर परिवार की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है।ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान किसी भी संभावित हादसे को रोकने के लिए प्रशासन को समय रहते कार्रवाई करनी चाहिए।

तैयार फसल पर बारिश की मार

दर्जनों गांवों में धान और गन्ने को नुकसान, सर्वे की मांग

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गोरा गांव समेत आसपास के दर्जनों गांवों में खेतों में तैयार खड़ी धान और गन्ने की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। कई खेतों में धान की फसल चटाई की तरह बिछ गई है। पानी और कीचड़ में डूबी बालियां खराब होने की आशंका से किसानों की चिंता बढ़ गई है।गोरा गांव निवासी किसान यूनुस खान ने बताया कि उन्होंने धान की फसल तैयार करने में काफी लागत लगाई थी। फसल पककर तैयार हो चुकी थी और कटाई की तैयारी चल रही थी। इसी बीच तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से पूरी फसल खेत में गिर गई। उनका कहना है कि अचानक हुए नुकसान से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।किसानों के मुताबिक, क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसान धान की तैयार फसल के नुकसान से प्रभावित हुए हैं। खेतों में पानी भरने और फसल गिरने से कटाई में भी दिक्कत आ रही है। लगातार बारिश जारी रहने पर गिरी हुई फसल की बालियों के सड़ने का खतरा भी बना हुआ है। किसानों ने बताया कि खेती के लिए बीज, खाद, कीटनाशक और डीजल पर पहले ही काफी खर्च हो चुका है। कई किसानों ने फसल तैयार करने के लिए कर्ज भी लिया है। ऐसे में तैयार फसल को नुकसान पहुंचने से लागत निकलना मुश्किल हो गया है। किसानों को अब बैंक और अन्य कर्ज की रकम चुकाने की चिंता सताने लगी है। प्रभावित किसानों और ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से तत्काल फसल क्षति का सर्वे कराने की मांग की है।

राप्ती-बूढ़ी राप्ती के जलस्तर का डीएम-एसएसपी ने लिया जायजा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और आंधी के बीच जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने शनिवार को राप्ती और बूढ़ी राप्ती नदी का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने नदी के जलस्तर, तटबंधों की स्थिति और आसपास के निचले इलाकों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सिंचाई, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को जलस्तर पर लगातार नजर रखने, तटबंधों को मजबूत रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए। डीएम-एसएसपी ने थाना व चौकी प्रभारियों तथा पीआरवी-112 को अलर्ट मोड में रहने और नदी किनारे स्थित गांवों में लगातार भ्रमण कर ग्रामीणों को सतर्क करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने आमजन से अपील की कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें, नदी-नालों के पास न जाएं और अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी आपात स्थिति में डायल 112 या जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना देने की अपील की गई।

बारिश और हवा से सड़क पर गिरा आम का पेड़, यातायात प्रभावित

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। तेज बारिश और हवा के चलते शनिवार को बिस्कोहर-इटवा मुख्य मार्ग पर बलुआ के पास आम का पेड़ गिर गया। इससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही त्रिलोकपुर पुलिस मौके पर पहुंची और वन विभाग व ग्रामीणों की मदद से पेड़ हटवाकर मार्ग पर यातायात बहाल कराया। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे पेड़ गिरने की सूचना मिली थी। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग से समन्वय कर पेड़ को सड़क से हटवाया गया। इसके बाद मार्ग पर आवागमन सामान्य हो गया।

शेरपुर कलां समेत गांव-गांव पहुंची पुलिस, बारिश में सुरक्षा का पढ़ाया पाठ

आकाशीय बिजली और तेज हवाओं को लेकर रात में चला जागरूकता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। लगातार हो रही बारिश और खराब मौसम के बीच पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आकाशीय बिजली, तेज हवाओं और जलभराव से बचाव के प्रति जागरूक करना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग की ओर से 25 से 27 सितंबर तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश, गरज-चमक और आकाशीय बिजली की चेतावनी के मद्देनजर पुलिस प्रशासन भी सतर्क है। ग्रामीणों को मौसम खराब होने के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी जा रही है।

पूरनपुर कोतवाल के नेतृत्व में शेरपुर हलका इंचार्ज रविंद्र बालियान पुलिस टीम के साथ शुक्रवार रात करीब 11 बजे ग्रामीण इलाकों में पहुंचे। पुलिस टीम ने गांव-गांव जाकर लोगों को खराब मौसम के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों से कहा कि तेज बारिश, गरज- चमक और आकाशीय बिजली के दौरान खुले स्थानों पर खड़े होने से बचें। विशेषकर खेतों में काम करने वाले किसान मौसम बिगड़ने पर तत्काल किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचें।पुलिस ने ग्रामीणों को पेड़ों के नीचे खड़े होने से भी बचने की सलाह दी। बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मर और अन्य विद्युत उपकरणों से दूरी बनाए रखने को कहा गया। कहीं बिजली का तार टूटकर गिरा हो या बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त हुआ हो तो उसके पास जाने के बजाय तत्काल संबंधित विभाग और पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। ग्रामीणों को जलभराव वाले इलाकों और तेज बहाव वाले रास्तों से गुजरने से भी बचने को कहा गया। पुलिस ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों पर नजर रखने की अपील की, ताकि खराब मौसम के दौरान वे किसी जोखिम वाले स्थान पर न पहुंचें। खेतों और खुले स्थानों में मौजूद लोगों से मौसम में अचानक बदलाव होने पर सावधानी बरतने को कहा गया।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को बताया कि आकाशीय बिजली के दौरान खुले मैदान, ऊंचे पेड़ और बिजली के खंभे जोखिम वाले स्थान हो सकते हैं। ऐसे समय में पक्के भवन के अंदर रहना अधिक सुरक्षित है। किसी भी आपात स्थिति, बिजली के तार टूटने, जलभराव बढ़ने या अन्य घटना की स्थिति में तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना देने की अपील की गई। पुलिस की ओर से देर रात तक चलाए गए जागरूकता अभियान से ग्रामीणों को खराब मौसम में सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया गया।

सर्राफ को बातों में उलझाकर जेवर चोरी कर ले गईं महिलाएं

पीलीभीत। थाना क्षेत्र में सुहास रोड स्थित एक सराफ की दुकान पर बुधवार दोपहर खरीदारी के बहाने पहुंची दो महिलाओं पर पेंडल और एक जोड़ी बाली चोरी करने का आरोप है। सराफ का कहना है कि दुकान पर पहुंचीं महिलाओं ने उसे बातों में उलझाया और जेवर लेकर भाग गईं। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसी कैमरे में कैद हो गई। चोरी किए गए जेवरों की कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सुहास रोड निवासी ज्वेलरी दुकानदार सर्वेश कुमार वर्मा ने दी तहरीर में बताया कि बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे वह दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान दो महिलाएं ज्वेलरी खरीदने के बहाने दुकान पर पहुंचीं। दोनों ने काफी देर तक जेवर देखने के दौरान उन्हें बातचीत में उलझाए रखा। आरोप है कि इसी दौरान मौका पाकर महिलाओं ने एक पेंडल और एक जोड़ी बाली चोरी कर ली और वहां से निकल गईं।

थाना समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं शिकायतें

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। शनिवार को थाना बांसी में आयोजित संपूर्ण थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। डीएम ने राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों को भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा, नाली, चकमार्ग, अवैध कब्जे और पट्टे से जुड़े मामलों का मौके पर जाकर निस्तारण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण शिकायतकर्ता की मौजूदगी में मौके पर ही कराया जाए। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण किया जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। शिकायतकर्ताओं को बेवजह परेशान नहीं किया जाए। डीएम ने लोगों से आपसी विवाद और लड़ाई-झगड़े से बचने तथा मिल-जुलकर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस में प्राप्त मामलों के निस्तारण के लिए राजस्व अधिकारी और कर्मचारी मौके पर जाकर कार्रवाई करेंगे। इस दौरान थानाध्यक्ष बांसी, राजस्व निरीक्षक सहित राजस्व और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

चन्द्रभान पहलवान के नेतृत्व में पीडीए चौपाल का आयोजन

लोटन/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। विधानसभा कपिलवस्तु-303 के लोटन ब्लॉक में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी चन्द्रभान पहलवान के नेतृत्व में पीडीए चौपाल सिकरी गांव में आयोजन किया गया। इस अवसर पर संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित किया गया। वहीं पीडीए चौपाल कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया गया। पीडीए चौपाल में विधानसभा कपिलवस्तु के कार्यकताओं सहित सभी बूथों पर बीएलए के सहयोग से घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी का सदस्य बनाने एवं अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया गया। चन्द्रभान पहलवान ने कहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार सभी बूथों पर अधिक से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरी ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। सदस्यता अभियान में पहली बार वोटर बन रहे नौजवानों और महिलाओं को समाजवादी पार्टी का सदस्य बनाने पर विशेष जोर दिया जायेगा। चौपाल की अध्यक्षता विधानसभा कपिलवस्तु के वि0स0 अध्यक्ष राजू चौधरी ने किया। वहीं पीडीए चौपाल कार्यक्रम में डा0 बृजभान यादव, मनीष कुमार यादव, राजेन्द्र प्रसाद, रियाज एडोवोकेट, इरशाद खान, अजहरुद्दीन सहित तमाम ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गृह मंत्रालय के उत्कृष्ट व अतिउत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित हुए 22 पुलिसकर्मी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सेवा अभिलेख के आधार पर उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले जिले के 22 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उत्कृष्ट एवं अतिउत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने पदक प्राप्त करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को पदक-चिह्न लगाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद को उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया। वहीं आईजीआरएस के निरीक्षक विजय नरायन, डीसीआरबी के निरीक्षक विजय बहादुर सिंह, सम्मन सेल के उपनिरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी, जन शिकायत प्रकोष्ठ के उपनिरीक्षक तेज प्रताप सिंह, यातायात शाखा के उपनिरीक्षक अवधेश कुमार, श्रेष्ठ पेशी के उपनिरीक्षक यशवंत सिंह और पुलिस लाइन के उपनिरीक्षक रेवती रमण यादव को अतिउत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इसके अलावा थाना उसका बाजार के निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी, मॉनीटरिंग सेल के निरीक्षक संतोष कुमार यादव, थाना सिद्धार्थनगर के मुख्य आरक्षी संजय कुमार चौरसिया, प्रधान लिपिक कार्यालय के मुख्य आरक्षी धर्मेंद्र सिंह, थाना मोहाना के मुख्य आरक्षी राकेश कुमार सिंह, थाना सिद्धार्थनगर के मुख्य आरक्षी सच्चिदानंद दूबे, जन सूचना प्रकोष्ठ के मुख्य आरक्षी राजू गौतम, शोहरतगढ़ पेशी के मुख्य आरक्षी गार्डेन कुमार, अपर पेशी के मुख्य आरक्षी सुशील कुमार गुप्ता, क्षेत्राधिकारी सदर कार्यालय के मुख्य आरक्षी महेंद्र कुमार तथा पुलिस लाइन के आरक्षी चालक उमेश कुमार सिंह को उत्कृष्ट सेवा पदक प्रदान किया गया। वहीं पुलिस लाइन के मुख्य आरक्षी तारकेश्वर सिंह, मुख्य आरक्षी चालक अवध बिहारी गौड़ और मुख्य आरक्षी धर्मेंद्र कुमार को अतिउत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन ने सभी पदक प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसी तरह कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सेंट जॉन्स कॉलोनी में दस दिवसीय गणेश उत्सव का भव्य समापन

भजन संध्या और भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने आयोजन की सराहना कर दी बधाई

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सेंट जॉन्स कॉलोनी में आयोजित दस दिवसीय गणेश उत्सव का भव्य एवं विधिवत समापन भजन संध्या और भंडारे के साथ हुआ। दस दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के दौरान कॉलोनी परिसर में भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्सव के अंतिम दिन आयोजित भजन संध्या में कॉलोनीवासियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और गणपति बप्पा की भक्ति में देर तक सराबोर रहे। समापन अवसर पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सभी श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने सेंट जॉन्स कॉलोनीवासियों द्वारा आयोजित दस दिवसीय गणेश उत्सव की सराहना करते हुए कहा कि वाराणसी में गणेश उत्सव के प्रति लोगों की आस्था और उत्साह लगातार बढ़ रहा है। आजकल बड़ी संख्या में लोग अपने घरों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर भगवान गणेश की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। पूरे शहर में गणेश उत्सव के दौरान भक्तिमय वातावरण देखने को मिलता है तथा श्रद्धालु पूजा-अर्चना, आरती, भजन संध्या और प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि धार्मिक

आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होते, बल्कि इनके माध्यम से समाज में आपसी भाईचारा, एकजुटता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का अवसर मिलता है। सेंट जॉन्स कॉलोनी में दस दिनों तक जिस श्रद्धा और उत्साह के साथ गणेश उत्सव का आयोजन किया गया, वह सराहनीय है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी लोगों तथा कॉलोनीवासियों को गणेश उत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव का रितेश कुमार, प्रदीप मिश्रा सहित कॉलोनीवासियों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व लायन गवर्नर दीपक अग्रवाल भी उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर उत्सव में सहभागिता की और आयोजन की सराहना की। दीपक अग्रवाल ने कहा कि महाराष्ट्र में गणेश उत्सव का आयोजन बड़े उत्साह, श्रद्धा और सामाजिक सहभागिता के साथ किया जाता है। अब यह परंपरा वाराणसी सहित अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक रूप ले रही है, जो धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से प्रसन्नता का विषय है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं नई पीढ़ी तक पहुंचती हैं और समाज में एकता तथा भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। दस दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान कॉलोनी में प्रतिदिन श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और आरती में भाग लिया। अंतिम दिन आयोजित भजन संध्या में भक्ति गीतों और भजनों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु गणपति बप्पा के जयकारे लगाते हुए भजनों पर झूमते नजर आए। इसके बाद आयोजित भंडारे में कॉलोनीवासियों और आसपास के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं की गई थीं। गणेश उत्सव के सफल आयोजन में धर्मेंद्र गोयल, शशांक अग्रवाल, डॉ. प्रदीप पांडेय, डॉ. शोभनाथ सिंह, सुजीत केसरी, विभू रत्ना, डॉ. बी.पी. तिवारी, प्रदीप कुमार, राजेंद्र जायसवाल, रवि गुप्ता एवं मोहन रौनियार का विशेष योगदान रहा। आयोजन से जुड़े सभी लोगों ने उत्सव को सफल बनाने में सहयोग करने वाले कॉलोनीवासियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर पूरे सेंट जॉन्स कॉलोनी परिसर में श्रद्धा, उल्लास और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। भजन संध्या से लेकर भंडारे तक बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से परिवार और समाज की सुख-समृद्धि तथा शांति की कामना की। दस दिनों तक चले गणेश उत्सव ने कॉलोनीवासियों को धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक सहभागिता का भी संदेश दिया।

नाव पर दातुन करते समय गोमती में डूबा मौत

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। बाबा बाजार थाना क्षेत्र के उमापुर घाट पर चालीस वर्षीय व्यक्ति का नाव पर दातुन करते समय पैर फिसलने से गोमती नदी में डूब गया। जहां उसकी मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम रूदौली, थाना अध्यक्ष ,सीओ रूदौली, ने एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंच नदी में डूबे हुए व्यक्ति की तलाश शुरू कर दिया घंटों रेस्क्यू करने के बाद डूबे हुए व्यक्ति को बरामद किया पुलिस ने शव को कब्जे में ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। जानकारी के अनुसार थाना बाबा बाजार क्षेत्र के अंतर्गत शिव कैलाश निषाद पुत्र साहब प्रसाद निवासी मीरमऊ घाट मजरे उमापुर थाना बाबा बाजार नाव पर दातुन कर रहे थे तभी अचानक पैर फिसल ने से गोमती नदी में गिर कर डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता, सीओ अरविंद सोनकर और थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह आजाद मौके पर पहुंच एसडीआरएफ की टीम के साथ रेस्क्यू आपरेशन जारी कर दिया। घंटों चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव को बरामद किया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है वहीं सीओ रूदौली ने बताया कि घटना कि जानकारी मिली थी जिसपर एसडीआरएफ टीम की मदद से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

क्षेत्राधिकारी स्याना ने किया खानपुर थाने का त्रैमासिक निरीक्षण

अभिलेखों के रखरखाव, अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना। शनिवार को क्षेत्राधिकारी स्याना रामकरन ने थाना खानपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए विभिन्न अभिलेखों, कार्यालयों और पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने थाना प्रभारी एवं संबंधित पुलिसकर्मियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार और अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव के निर्देश दिए।

क्षेत्राधिकारी ने सबसे पहले मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर महिला संबंधी मामलों में पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। इसके बाद थाना कार्यालय में रखे विभिन्न अभिलेखों, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के निस्तारण, लंबित विवेचनाओं तथा अन्य पुलिस अभिलेखों का निरीक्षण किया। उन्होंने लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। मैस, पुलिसकर्मियों की बैरक, शौचालय समेत अन्य स्थानों का निरीक्षण कर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा माल निस्तारण की स्थिति, आगंतुक रजिस्टर और अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की भी जांच की गई।

क्षेत्राधिकारी रामकरन ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि हिस्ट्रीशीटर और सक्रिय अपराधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए तथा क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाकर अपराधों पर अंकुश लगाया जाए। उन्होंने महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम को लेकर विशेष सतर्कता बरतने और शिकायत मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमण करते रहें और आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करें, जिससे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना समय से प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने और पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया।

लगातार हो रही बारिश से गिरा पेड़, चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

शुजागंज/अयोध्या (वेलकम इंडिया)। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के विचाला गांव में लगातार हो रही बारिश तथा तेज हवा के चलते एक पेड़ गिर गया जिसकी चपेट में आने से एक 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई हादसे की सूचना मिलते ही तहसीलदार रूदौली एवं चौकी प्रभारी शुजागंज मौके पर पहुंच मृतक के शव को कब्जे में ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली रूदौली क्षेत्र के शुजागंज पुलिस चौकी अंतर्गत बिचाला गांव निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग राम स्वरूप पुत्र जग्गूराम लगातार हो रही तेज बारिश एवं तेज गति से चल रही हवा के कारण पेड़ के गिरने से चपेट में आ गए। जहां पर बुजुर्ग की मौत हो गई, हादसे की सूचना मिलते ही तहसीलदार रूदौली विजय गुप्ता, चौकी प्रभारी शुजागंज अभिषेक सिंह अपने हमराही कांस्टेबल राजेंद्र सिंह शरद शर्मा रवि चौधरी सौरभ यादव के मौके पर पहुंच मृतक के शव को कब्जे में ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। तहसीलदार विजय गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में हुई मौत पर शासन की ओर से अनुमन्य आर्थिक सहायता परिजनों को दिलाई जाएगी। इसके लिए राजस्व टीम को रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम में सतर्क रहने और पेड़ों के नीचे शरण न लेने की अपील की है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया पौधरोपण और जरूरतमंदों को बांटी गई राहत सामग्री

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

मिजार्मुराद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत शनिवार को मिजार्मुराद में दो सेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत गौर गांव स्थित स्व. वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय के कैंपस में भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को संतुलित और जीवन को सुरक्षित रखने के लिए पौधरोपण सबसे जरूरी है। एक पौधा लगाना सौ पुण्यों के बराबर है। प्रधानमंत्री जी ने भी 'एक पेड़ माँ के नाम' का आह्वान कर देश को हरियाली की ओर प्रेरित किया है। हम सभी को एक-एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से पौधों को संरक्षित करने का आग्रह भी किया। वहीं, इसी क्रम में मिजार्मुराद बाजार में ओवरब्रिज के नीचे जीवन यापन कर रहे डरकार परिवार के लोगों के बीच जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने लंच पैकेट और अंगवस्त्र का वितरण किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीति नहीं, सेवा ही संगठन का मूल मंत्र है और पीएम मोदी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, समर्पण और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। इस दौरान जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम, जिला मंत्री सुरेंद्र बिंद, योगेश सिंह, डॉ. संगीता सिंह, मीडिया प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', डॉ. आशुतोष उपाध्याय, मुकेश यादव, अंजली जायसवाल, धीरज सिंह, निहाल सेठ, रौनक सिंह, ओपी पटेल, अजय पटेल, वीरेंद्र विश्वकर्मा, अमित पटेल समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आदर्श शिक्षा मंदिर जूनियर हाई स्कूल में गूंजा सामूहिक 'वंदे मातरम'

भारत विकास परिषद शिवा शाखा के सहयोग से 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजन, 500 लोगों ने एक साथ किया राष्ट्रगीत का गायन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भदैनी स्थित आदर्श शिक्षा मंदिर जूनियर हाई स्कूल के परिसर में भारत विकास परिषद शिवा शाखा के सहयोग से 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में सामूहिक राष्ट्रगीत गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों, अभिभावकों, माताओं, आचार्य बंधु-भगिनी, कर्मचारियों तथा समाज के गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 लोगों ने एक साथ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का गायन किया। सामूहिक गायन से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रवि जी, प्रचार प्रमुख दक्षिण भाग वाराणसी ने अपने ओजस्वी एवं प्रभावशाली संबोधन में 'वंदे मातरम' के इतिहास और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रगीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित कराते हुए इसके रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि 'वंदे मातरम' ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान लोगों में राष्ट्रीय चेतना और देशभक्ति की भावना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के साहित्यिक एवं राष्ट्र जागरण से जुड़े योगदान को नमन करते हुए विद्यार्थियों से देश की संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रभावना के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

सामूहिक राष्ट्रगीत गायन के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने भी पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता की। एक साथ सैकड़ों लोगों द्वारा 'वंदे मातरम' का गायन किए जाने से विद्यालय परिसर में देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का वातावरण दिखाई दिया। विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और गर्व का भाव नजर आया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य लोकेश कुमार शर्मा ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाता है। सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक और अविस्मरणीय रहा। प्रधानाचार्य ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों, अभिभावकों, माताओं, समाज के गणमान्य व्यक्तियों सहित लगभग 500 लोगों की सहभागिता रही।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के साथ उन्हें देश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम इसी उद्देश्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है।

झमाझम बारिश ने दी गर्मी से राहत, जनजीवन प्रभावित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। सुबह से हो रही झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से काफी राहत मिली। अधिकतम तापमान में गिरावट के चलते कूलर, पंखे और एसी चलाने की जरुरत भी कम महसूस हुई। हालांकि लगातार बारिश के कारण शहर में यातायात प्रभावित रहा। स्कूल जाने वाले बच्चों और कार्यालय जाने वाले लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते बाजारों में भी सन्नाटा पसरा रहा जबकि कई दफ्तरों में सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल दिखाई दी। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक बादलों की आवाजाही बने रहने की जानकारी दी है।

भारी बारिश में भी सड़क पर डटे रहे एसडीएम रविकांत चौबे

एसडीएम ने पुलिस के साथ मोर्चा संभालकर खुलवाया जाम, श्रद्धालुओं की राह हुई सुगम

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। श्राद्ध पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच शनिवार को तेज बारिश और ठंड भी प्रशासन की सक्रियता को नहीं रोक सकी। भीमपुर दोराहे पर वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम लग गया। सूचना मिलते ही एसडीएम रविकांत चौबे स्वयं मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम के साथ सड़क पर उतरकर यातायात व्यवस्था संभाली। अलीगढ़ और बुलंदशहर की ओर से आने वाले श्रद्धालु भीमपुर दोराहे से डिबाई, अनूपशहर, नरौरा, रामघाट और कर्णवास की ओर जा रहे थे। वाहनों की संख्या बढ़ने से यातायात प्रभावित हुआ। एसडीएम ने पुलिसकर्मियों के साथ मोर्चा संभालते हुए वाहनों को व्यवस्थित कराया और जाम खुलवाकर यातायात सुचारू कराया। दौलतपुर खुर्द चौकी प्रभारी राहुल राजपूत, ट्रैफिक पुलिस के ललित कुमार, अंकित वशिष्ठ समेत पुलिसकर्मी बारिश के बीच लगातार सड़क पर डटे रहे। एसडीएम को स्वयं मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था संभालते देख पुलिसकर्मियों का भी उत्साह बढ़ा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की सक्रियता की सराहना की। भारी बारिश और ठंड के बावजूद अधिकारियों व पुलिसकर्मियों के सड़क पर मौजूद रहने से श्रद्धालुओं को राहत मिली और गंगा स्नान के लिए आने-जाने वाले वाहनों की आवाजाही नियंत्रित रही।

दीपक अग्रवाल बने रोटरी इंटरनेशनल-3120 के वाराणसी रीजन के डिस्ट्रिक्ट रीजनल को-ऑर्डिनेटर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रोटरी इंटरनेशनल-3120 के निर्वाचित गवर्नर रोटेरियन दिनेश गर्ग ने आगामी रोटरी वर्ष के लिए प्रमुख समाजसेवी एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े दीपक अग्रवाल को वाराणसी रीजन का डिस्ट्रिक्ट रीजनल को-ऑर्डिनेटर (डीआरसी) मनोनीत किया है। उनके मनोनयन की जानकारी मिलते ही वाराणसी रीजन से जुड़े विभिन्न रोटरी क्लबों के सदस्यों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। रोटरी सदस्यों ने उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए इस जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। दीपक अग्रवाल सामाजिक एवं संस्थागत क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वह प्रमुख समाजसेवी होने के साथ श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज के अध्यक्ष, श्री काशी अग्रवाल समाज के उपसभापति तथा पूर्व लायन गवर्नर के रूप में भी विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों में अपनी भूमिका निभा चुके हैं। इसके अलावा वह विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में अध्यक्ष, मंत्री, संरक्षक एवं अन्य महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। रोटरी क्षेत्र में भी दीपक अग्रवाल का लंबा अनुभव रहा है। वह पूर्व में रोटरी क्लब वाराणसी गंगा के चार्टर अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने तीन बार डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी, असिस्टेंट गवर्नर सहित रोटरी के विभिन्न पदों पर जिम्मेदारी निभाई है। करीब 12 वर्षों से रोटरी की विभिन्न गतिविधियों और संगठनात्मक दायित्वों से जुड़े रहने के दौरान उन्होंने सेवा कार्यों एवं सामाजिक सरोकारों से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई।

रोटरी संगठन में उनके योगदान के लिए उन्हें डिस्ट्रिक्ट स्तर पर कई बार सम्मानित भी किया जा चुका है। लंबे संगठनात्मक अनुभव और विभिन्न सेवा संस्थाओं में निभाई गई जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्हें वाराणसी रीजन के डिस्ट्रिक्ट रीजनल को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी दिया जाना रोटरी सदस्यों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। दीपक अग्रवाल के मनोनयन के बाद रोटरी क्लबों से जुड़े सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके अनुभव से वाराणसी रीजन में रोटरी की गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

समावेशी विकास के लिए अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर आईईसी में संगोष्ठी

प्रयोगशालाओं तक सीमित न रहे तकनीक, हर वर्ग तक पहुंचे : नंदकिशोर गुर्जर

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में 'समावेशी विकास के लिए अंतरिक्ष अनुप्रयोग' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य अंतरिक्ष एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी को प्रयोगशालाओं, बड़े संस्थानों और विशेषज्ञों तक सीमित रखने के बजाय समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोनी, गाजियाबाद के विधायक नंद किशोर गुर्जर रहे। विशिष्ट अतिथियों में इसरो के पूर्व निदेशक डॉ. ए.सी. माथुर, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस) के पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार, दिल्ली स्थित डीएसओएडी की प्रमुख डॉ. सुजी मोल तथा इंडो प्लैनेटएक्स स्पेस वॉल्ट एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं संस्थापक डॉ. अंकित चौधरी शामिल रहे। कार्यक्रम में आईपीईसी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. डी.के. शर्मा, संगोष्ठी की संयोजक डॉ. पूजा त्रिपाठी तथा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के प्रमुख सहित संस्थान के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नंद किशोर गुर्जर ने इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थित अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र का भ्रमण किया। उन्होंने केंद्र में संचालित गतिविधियों, तकनीकी कार्यों और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी ली तथा केंद्र की पहल की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का वास्तविक लाभ तभी व्यापक स्तर पर समाज तक पहुंच सकता है, जब इसे आम लोगों की आवश्यकताओं और विकास से जोड़ा जाए। अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के माध्यम से शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन, संचार और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में प्रभावी समाधान विकसित किए जा सकते हैं। संगोष्ठी के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के नवोन्मेषक, शोधकर्ता, उद्यमी, वैज्ञानिक और समस्या-समाधानकर्ता के रूप में तैयार करने पर जोर दिया गया। अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को एक मंच पर लाकर देश में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों का मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है।

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन, विजेता बच्चों को किया पुरस्कृत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सरकार द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान अन्तर्गत शनिवार को खण्ड विकास अधिकारी भोजपुर कार्यालय में 18 सितंबर को विद्यालयवार आयोजित मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला एवं वाद विवाद प्रतियोगिता में आये प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों के मध्य ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि विधायक मोदीनगर डॉ० मंजू शिवाच एवं श्रीमती सुचेता सिंह ब्लॉक प्रमुख भोजपुर द्वारा संयुक्त रूप से सर्वप्रथम माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया।

प्रतियोगिता में 64 विद्यालयों के लगभग 250 बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया तथा उन्होने सभी बच्चों को अपनी माता तथा अपने देश के प्रति पूर्णतया समर्पित भाव एवं सेवा करने हेतु प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह ने सभी बच्चों एवं कार्यक्रम में आये सभी शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार बच्चे पेपर पर रंग भर रहे है जीवन भी इसी प्रकार अनेक रंगो से भरा हुआ है सुख-दुख रंगो का रूप ही है किन्तु हमें सुख में धमण्ड नहीं करना है। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजियाबाद ओ०पी० यादव, खण्ड शिक्षा अधिकारी भोजपुर सुश्री महिमा, बाल विकास परियोजना अधिकारी भोजपुर श्रीमती स्वाति पाठक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता की नोडल अधिकारी श्रीमती तनूजा शर्मा प्रधानाचार्या राजकीय का० कलछीना, ए०डी०ओ० पंचायत विपिन कुमार आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

सामुदायिक स्वास्थ्य मोदीनगर में अंगदान संकल्प शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामुदायिक स्वास्थ्य मोदीनगर में शनिवार को सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत अंगदान संकल्प शपथ ग्रहण समारोह हुआ। जिसमें अमितेज जैन वरिष्ठ भाजपा नेता तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ अस्पताल के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने अंगदान करने हेतु संकल्प लिया तथा आम जनता को भी इस मौके पर जागरूक करने के लिए संकल्प लिया। यह अंगदान शपथ ग्रहण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में चलाए जा रहे सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत संपन्न हुआ।

इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिनेश कुमार द्वारा सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को अंगदान करने हेतु प्रेरित किया तथा शपथ दिलाई। इस मौके पर अस्पताल के सभी चिकित्सक ,डॉ विक्रांत, डॉ नवीन ,डॉ ज्योति डॉ रितु डॉ ऋषिका डॉ करणपाल तथा अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्रों ने शहीद युवराज सिंह एवं शहीद संजय कौशिक की स्मृति में काला दिवस मनाया

शहीद चौक के नामकरण एवं स्मारक निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। 26 सितंबर 1990 को आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान पुलिस की गोली लगने से युवराज सिंह एवं संजय कौशिक शहीद हुए छात्रों की स्मृति में छात्रों ने शनिवार को काला दिवस के रूप में मनाया गया।

छात्रों ने एम. एम. कॉलेज में स्थित शहीद युवराज सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया इसके पश्चात जुलूस के रूप में गोविंदपुरी स्थित शहीद संजय कौशिक की प्रतिमा पर पहुंचे और माल्यार्पण कर छात्रगण राज चौपला पर एकत्र हुए तथा स्थानीय प्रशासन को अपनी मांगों को लेकर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली को एक ज्ञापन सौंपा। पूर्व छात्र नेता ने पिंकल गुर्जर, योगेश तिवारी ने कहा कि इस घटना को 36 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

इसके बावजूद दोनों शहीद छात्रों की स्मृति में नगर क्षेत्र में ऐसा कोई स्थायी स्मारक नहीं है, जो उनके बलिदान को आने वाली पीढ़ियों तक याद रखने का माध्यम बन सके।

उक्त विषय को नगर पालिका परिषद की बैठक में प्रस्ताव के रूप में प्रस्तुत कर आवश्यक वैधानिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाए तथा की गई कार्रवाई से ज्ञापन देने वाले छात्र प्रतिनिधियों को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा है कि हम आशा करते हैं कि नगर पालिका परिषद, मोदीनगर द्वारा इस ऐतिहासिक एवं भावनात्मक विषय को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

इस मौके पर पूर्व छात्र नेता पिंकल गुर्जर योगेश तिवारी प्रियांशु राहुल प्रधान मोनू धामा अर्जुन ढिढाला प्रमोद कौशिक, अनुराग प्रधान,रवि, शुभम चौधरी सचिन ऋषि शर्मा आदि छात्र उपस्थित रहे।

पद्मश्री चिरंजी लाल यादव का आठवीं वाहिनी एनडीआरएफ मुख्यालय में कमांडेंट सुदेश कुमार ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पद्मश्री से सम्मानित एवं मुरादाबाद के प्रतिष्ठित समाजसेवी चिरंजी लाल यादव का शनिवार को आठवीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), गाजियाबाद के मुख्यालय में आगमन हुआ। वाहिनी मुख्यालय पहुंचने पर कमांडेंट सुदेश कुमार ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पद्मश्री चिरंजी लाल यादव को स्मृति-चिह्न और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में उनके योगदान को याद करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की गई। सम्मान समारोह के दौरान कमांडेंट सुदेश कुमार ने कहा कि समाज के प्रति समर्पण, सेवा और मानवीय संवेदनशीलता किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को विशेष बनाती है। चिरंजी लाल यादव ने समाजसेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मोदी कॉलेज के छात्रों ने तहसील स्तरीय पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता में पाया प्रथम स्थान

पेंटिंग और कला हमारे जीवन को सुंदर जीवंत और विचारशील बनती है: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर के दो छात्रों ने भोजपुर ब्लॉक में तहसील स्तरीय प्रतियोगिता में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया विद्यालय विद्यालय स्तरीय पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों ने तहसील स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें से अयान अल्वी कक्षा 12 भाषण प्रतियोगिता में तथा कृष्ण वर्मा कक्षा 11 ने पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया अब यह दोनों छात्र जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग मोदीनगर का नेतृत्व करेंगे।उल्लेखनीय है कि छात्र कृष्णा वर्मा ने पिछले वर्ष पेंटिंग प्रतियोगिता में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त कर 51 हजार रुपए का पारितोषिक प्राप्त किया था और यही छात्र युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था।छात्र कृष्ण वर्मा ने हाल ही में कला उत्सव प्रतियोगिता में भी जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया था । दोनों छात्रों को एक भव्य समारोह में मोदीनगर की विधायक डॉ मंजू सिवाच ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह और बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव और उपस्थित अन्य अधिकारियों ने मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया इस प्रतियोगिता में कला प्रवक्ता श्रीमती वर्षा रानी श्रीमती रेखा रानी, महानंद सिंह नरेश कुमार समारोह में उपस्थित रहे।

नंदी पार्क की क्षमता बढ़ाने में जुटा नगर निगम, नगर आयुक्त ने जीडीए उपाध्यक्ष के साथ किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। निराश्रित गोवंशों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर निगम ने नंदी पार्क गौशाला की क्षमता बढ़ाने का काम तेज कर दिया है। नगर निगम द्वारा संचालित गौशाला में वर्तमान में 1900 से अधिक निराश्रित गोवंश हैं। लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए गौशाला परिसर में अतिरिक्त व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिससे गोवंशों को रखने के साथ उनके लिए आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकें। इसी क्रम में शनिवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल के साथ नंदी पार्क गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त और जीडीए उपाध्यक्ष ने गौशाला परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद निर्माण विभाग की टीम से कार्य की प्रगति और प्रस्तावित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। नगर आयुक्त ने निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि बढ़ी हुई क्षमता का लाभ जल्द से जल्द निराश्रित गोवंशों को मिल सके। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार नंदी पार्क गौशाला में करीब 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र में क्षमता विस्तार का कार्य कराया जा रहा है।

विकासखंड भोजपुर में भव्य रूप से आयोजित हुआ 'सेवा सेतु अभियान' कार्यक्रम

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह की अध्यक्षता में शासन के 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 'सेवा सेतु अभियान' कार्यक्रम का भव्य आयोजन विकास खंड भोजपुर के भगत शहीद सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक, मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र, डॉ. मंजू शिवाच द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकासपरक कार्यक्रमों की जानकारी ग्रामीण क्षेत्र के पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना तथा उन्हें योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाना रहा।

कार्यक्रम स्थल पर विकासखंड स्तर के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों से संबंधित स्टॉल लगाए गए। योजनाओं से मिलने वाले लाभ के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम के अंतर्गत गोद भराई रस्म का भी आयोजन किया गया। विधायक डॉ. मंजू शिवाच एवं ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह द्वारा निर्धारित परंपरागत रीति के अनुसार गोद भराई की रस्म संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण तथा बाल विकास से संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग की योजनाओं के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को बीज उपलब्ध कराए गए।

एक ही निविदा सूची में 779 विकास कार्य, 270 करोड़ 96 लाख रुपये के कार्यों के लिए जारी हुई निविदा

वेलकम इंडिया संवाददाता

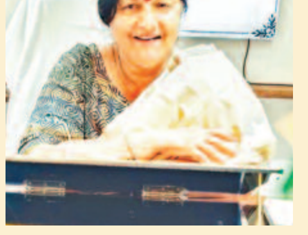

गाजियाबाद। शहर के विकास को गति देने के लिए गाजियाबाद नगर निगम ने एक साथ 779 विकास कार्यों की निविदा जारी कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पहली बार एक ही निविदा सूची में इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्य शामिल किए गए हैं। इन सभी कार्यों की अनुमानित लागत करीब 270 करोड़ 96 लाख रुपये है। नगर निगम के निर्माण विभाग की ओर से करीब एक सप्ताह से इन कार्यों की निविदा प्रक्रिया की तैयारी की जा रही थी, जिसे शनिवार को पूरा करते हुए निविदाएं प्रकाशित कर दी गईं। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक, 779 विकास कार्यों को अलग-अलग मदों के तहत शामिल किया गया है। इनमें वायु गुणवत्ता सुधार से संबंधित 66 कार्यों की अनुमानित लागत करीब 134 करोड़ 85 लाख रुपये है। इसके अलावा अवस्थापना निधि से 13 विकास कार्यों पर करीब 39 करोड़ 79 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं पार्षद निधि, नामित पार्षदों और अन्य मदों से 713 विकास कार्य कराए जाएंगे, जिनकी अनुमानित लागत करीब 96 करोड़ 28 लाख रुपये है। नगर निगम का दावा है कि इन विकास कार्यों का असर शहर के सभी 100 वार्डों में दिखाई देगा। अलग-अलग क्षेत्रों में सड़क, नाली, नाला और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य कराए जाने हैं। नगर निगम की ओर से एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कार्यों को निविदा प्रक्रिया में शामिल किए जाने से आने वाले समय में शहर के विभिन्न हिस्सों में निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य शहर के प्रत्येक क्षेत्र में समान रूप से विकास कार्य कराना है। उन्होंने कहा कि वायु गुणवत्ता सुधार, अवस्थापना निधि, पार्षद निधि और अन्य मदों से जुड़े कुल 779 कार्यों को हरी झंडी दी गई है। इनकी कुल लागत करीब 270 करोड़ 96 लाख रुपये है। निविदाएं जारी हो चुकी हैं और अगले माह इनके खुलने की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद नियमानुसार चयनित कार्यों को धरातल पर शुरू कराया जाएगा। महापौर ने कहा कि नगर निगम के निर्माण विभाग ने एक ही सूची में इतनी बड़ी संख्या में विकास कार्य शामिल कर नया रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले एक साथ इतने कार्यों की निविदा सूची तैयार नहीं की गई थी। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर में 'स्वागतम 2026' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत हेतु 'स्वागतम 2026' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परिसर के ईश्वरी ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कोमल पंवार, पीसीएस, उपजिलाधिकारी, मोदीनगर उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात बीटेक कंप्यूटर साइंस (साइबर सिक्योरिटी) की द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री कृतिका ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती कोमल पंवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, अनुशासन एवं जीवन में सफलता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान 'बियोण्ड बुक्स : स्किल्स फॉर द 21२३ सेंचुरी ' विषय पर प्रो. आर. पी. महापात्र, डीन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके पश्चात परिसर के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन ने 'लीडरशिप एंड टीमवर्क : द मंत्रा फॉर सूसेज ' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा नेतृत्व क्षमता और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों का मन मोह लिया। अंत में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिलाषा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस आयोजन ने नवागंतुक विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों से परिचित कराने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखी प्रदेश की उद्यमिता और नवाचार की ताकत

कपिल चौहान

गौतम बुद्ध नगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 के चतुर्थ संस्करण में शनिवार को प्रदेश के उद्यमियों, व्यापारियों और विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रदर्शित उत्पादों एवं नवाचारों की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश ए.के. शर्मा एवं अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों के साथ सहभागिता की गई। इस अवसर पर ट्रेड शो में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया गया।

स्टॉल संचालकों से उनके उत्पादों, तकनीक और नवाचारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता, स्थानीय उत्पादों और उद्यमशीलता को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान कहा गया कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश के उद्यमियों और व्यापारियों को देश-विदेश के बाजारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की प्रतिभा, स्थानीय उत्पादों, नवाचार और उद्यमिता को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ रोजगार एवं निवेश के नए अवसरों को भी बढ़ावा मिलता है।

किडनी रोगी की फरियाद पर डीएम ने दिखाई संवेदनशीलता, अंत्योदय और आयुष्मान कार्ड के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट में शनिवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। भूमि विवाद, राजस्व, अवैध कब्जे, पेंशन, राशन, आवास, विद्युत और पेयजल से जुड़ी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखी गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अर्थला निवासी किडनी रोग से पीड़ित एक व्यक्ति ने आर्थिक परेशानी बताते हुए सहायता की गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने उसका अंत्योदय कार्ड बनवाने और आयुष्मान कार्ड तैयार कराने के निर्देश दिए। साथ ही आवास उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

डीएम ने कहा कि पात्र लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से दिलाया जाए। जिन मामलों में स्थलीय जांच जरूरी है, वहां अधिकारी मौके पर जाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई, एडीएम सिटी, एडीएम जे समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा महानगर की परिचय बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर मंथन

आगामी अभियानों की कार्ययोजना पर हुई चर्चा, पदाधिकारियों ने सफल क्रियान्वयन का लिया संकल्प

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद की परिचय बैठक मॉडर्न कॉलेज, साहिबाबाद में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी एवं विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। अशोक कटारिया ने महानगर कार्यकारिणी, सभी मंडल अध्यक्षों और वरिष्ठ कार्यकताओं से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी अभियानों एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कार्यकताओं को संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री अशोक मोंगा, विधायक अजीत पाल त्यागी, महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, रनीता सिंह, सचिन डेढ़ा, आशीष चौधरी, राजेंद्र यादव, नीरज शर्मा, महिम गुप्ता, आलोक शर्मा, वरुण नागर, भूषण चौहान, हेमराज माहौर सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेगा PTM में दिखा बच्चों का आत्मविश्वास, 59 स्कूलों में पहुंचे 50 से अधिक अधिकारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में शनिवार को मेगा पैरेंट्स-टीचर मीटिंग (PTM) का आयोजन किया गया। 59 विद्यालयों में 50 से अधिक जनपद स्तरीय अधिकारियों ने पहुंचकर PTM की गुणवत्ता देखी और अभिभावकों से संवाद किया। इस दौरान बच्चों का होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड अभिभावकों को दिखाया गया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने कंपोजिट विद्यालय मधुबन बापूधाम में PTM में भाग लेकर बच्चों की प्रगति जानी और अभिभावकों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बच्चे की प्रगति केवल अंकों से नहीं, बल्कि व्यवहार, आत्मविश्वास और शारीरिक विकास से भी आंकी जानी चाहिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने प्राथमिक विद्यालय तिबड़ा-2 और जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह ने प्राथमिक विद्यालय नंगला में PTM में हिस्सा लिया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी विद्यालयों में पहुंचकर शिक्षकों व अभिभावकों से संवाद किया। PTM में बच्चों और अभिभावकों में खासा उत्साह नजर आया।

दुष्कर्म मामले में आरोपी को 20 साल का कठोर कारावास, 50 हजार रुपये जुमार्ना

श्री उत्कर्ष वत्स
विशेष लोक अभियोजक

मु0आ0 मुकेश कुमार
पैरोकार थाना लोनी बॉर्डर

म0मु0आ0 रेनू
पैरोकार कन्विक्शन सैल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दुष्कर्म के मामले में आरोपी को न्यायालय ने 20 वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पुलिस के अनुसार थाना लोनी बॉर्डर में 24 जनवरी 2024 को वादिया की शिकायत पर उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म के आरोप में धारा 376(3) भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचक तत्कालीन उपनिरीक्षक सोनू कुमार ने साक्ष्यों के आधार पर विवेचना पूरी की। मामले में गठित कन्विक्शन सेल द्वारा लगातार प्रभावी पैरवी और समन्वय किया गया।

26 सितंबर 2026 को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पॉक्सो मैन, गाजियाबाद की अदालत ने अभियुक्त संदीप पुत्र कुंवरपाल, निवासी लोनी बॉर्डर को धारा 376(3) भादवि के तहत दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक उत्कर्ष वत्स ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की।

प्रताप विहार में अकेला मिला मासूम, पुलिस ने परिवार को खोज निकाला

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना विजयनगर क्षेत्र में पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से एक पांच वर्षीय बच्चे को उसके परिजनों तक सकुशल पहुंचा दिया गया। 25 सितंबर 2026 को पीएनबी बैंक, प्रताप विहार के पास पुलिस को करीब पांच वर्ष का बच्चा अकेला घूमता मिला। बच्चा मानसिक रूप से कमजोर था और अपना नाम-पता बताने में असमर्थ था। पुलिस ने बच्चे की पहचान और उसके परिजनों की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए। अथक प्रयास के बाद पुलिस को बच्चे के परिजनों के संबंध में जानकारी मिली। इसके बाद बच्चे को चरण सिंह कॉलोनी, थाना विजयनगर निवासी उसकी नानी के सुपुर्द कर दिया गया। बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया। पुलिस की इस कार्रवाई से एक मासूम को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाने में सफलता मिली।

अवैध निर्माण पर GDA सख्त, साहिबाबाद में दो भूखंडों पर चला बुलडोजर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जीडीए ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साहिबाबाद स्थित गुलमोहर वाटिका-2 में स्वीकृत मानचित्र से विचलन कर किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई प्रवर्तन जोन-7 के अंतर्गत उपाध्यक्ष के निर्देश पर की गई।

जीडीए के अनुसार, गुलमोहर वाटिका-2, साहिबाबाद में भूखंड संख्या 14 और 15 पर श्री पारस गुप्ता पुत्र सुशील गुप्ता द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरीत सेटबैक में निर्माण किया गया था। इस संबंध में वाद संख्या GDA/ANI/2026/0005021 और GDA/ANI/2026/0005022 दर्ज थे।

शनिवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-7 के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम ने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-7 के सहायक अभियंता, अवर अभियंता सहित प्राधिकरण का प्रवर्तन स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा।

जीडीए अधिकारियों ने बताया कि स्वीकृत मानचित्र का उल्लंघन कर किए गए निर्माण के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कनावनी में किसानों का धरना 44वें दिन भी जारी, बोले-आदेशों का पालन होने तक नहीं हटेंगे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी के किसानों का न्यायालय के आदेशों का पालन कराने की मांग को लेकर चल रहा शांतिपूर्ण धरना शनिवार को 44वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन कराने के लिए है।

किसानों का आरोप है कि न्यायालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) द्वारा अवॉर्ड बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। किसानों के अनुसार, इस मामले में प्राधिकरण के खिलाफ न्यायालय द्वारा नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। किसानों ने कहा कि वे अपनी जमीन किसी भी कीमत पर देने के लिए तैयार नहीं हैं और जब तक न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं होता, तब तक धरना जारी रहेगा।

किसान लकीराम शर्मा ने कहा कि किसान शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग उठा रहे हैं। धरना स्थल पर आसपास के गांवों से भी किसानों का समर्थन मिल रहा है।

फेशियल एस्थेटिक्स के आधुनिक उपचारों की बारीकियों से रूबरू हुए दंत चिकित्सक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के पीरियडोनटोलॉजी विभाग की ओर से 23 से 26 सितंबर तक चौथे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के अंतिम मॉड्यूल का आयोजन किया गया। डेंटोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में निजी दंत चिकित्सकों, कॉलेज के पूर्व छात्रों, संस्थान के दंत चिकित्सकों, एमडीएस विद्यार्थियों और अध्यापकों सहित 36 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य दंत चिकित्सकों को चेहरे की सौंदर्य चिकित्सा से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराना और मरीजों को दंत उपचार के साथ समग्र चेहरे की सौंदर्य संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। पाठ्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में फेशियल एस्थेटिक्स विशेषज्ञ एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता डॉ. आशीष कुमार सिंह और डॉ. गौरव तिवारी ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए कॉस्मेटिक दंत चिकित्सा के साथ विभिन्न सौंदर्य उपचारों को समन्वित करने की तकनीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान रासायनिक पील, बोटॉक्स, लेजर हेयर रिडक्शन, डर्मल फिलर्स और अन्य आधुनिक उपचारों के बारे में विस्तार से बताया गया। पहले दिन प्रतिभागियों को दाग-सुधार शल्य चिकित्सा, जैंथेलाजमा हटाने, चेहरे के पीआरपी और मेसोथेरेपी से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसमें दाग का आकलन, शल्य सुधार, सौंदर्यपरक ऊतक प्रबंधन, सटीक चीरा, घाव की सिलाई और पुनर्निर्माण जैसी तकनीकों की जानकारी दी गई। इसके साथ मेसोथेरेपी की व्यावहारिक तकनीकों का भी प्रशिक्षण कराया गया। दूसरे दिन बोटॉक्स, फिलर्स, होंठों की आकृति में सुधार और कान की लौ की मरम्मत जैसी प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों को चेहरे का मूल्यांकन, सौंदर्य उपचार की योजना, पलकों और ठोड़ी की सुंदरता में सुधार, चेहरे की रूपरेखा तैयार करने तथा ऊतक प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

तीसरे दिन मेडिफेशियल, रासायनिक पील, लिप ब्लश, एलोपेशिया और संबंधित औषधियों पर प्रशिक्षण हुआ। प्रतिभागियों को मुस्कान एवं चेहरे के सौंदर्य का आकलन, होंठों की आकृति में सुधार और चेहरे की सुंदरता बढ़ाने से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया।

होटल में पहले तोड़ा कार का शीशा, फिर निकली पिस्टल और चल गई गोली

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में शुक्रवार को दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब मारपीट के दौरान एक पक्ष ने दूसरे की कार का शीशा तोड़ दिया। आरोप है कि इसके बाद दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने लाइसेंसी पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन दोनों पक्षों के आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 25 सितंबर को मेरठ रोड स्थित कान्हा होटल के मालिक अनिल ने पुलिस को सूचना दी कि होटल में दो पक्ष आपस में झगड़ा कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। उपनिरीक्षक संतोष कुमार के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ईश्वदीप ओबराय और मंगेश व रुस्तम कुमार के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान मंगेश और रुस्तम ने ईश्वदीप के साथ मारपीट की। इसी दौरान उनकी कार का शीशा भी तोड़ दिया गया। पुलिस के अनुसार, कार का शीशा तोड़े जाने के बाद विवाद और बढ़ गया।